Youth India News Group

फर्रुखाबाद से प्रकाशित

मंगलवार | 24 नवम्बर 2026

मूल्य 2.00 रुपये

हिन्दी दैनिक

यूथ इंडिया

सच्चाई की दहकती आग...

वर्ष: 22 | अंक: 223 पृष्ठ: 08

आरएनआई नं.: UPHIN/2005/17816

डाक पंजीयन सं.- L-6/RNP-FTC002/2010

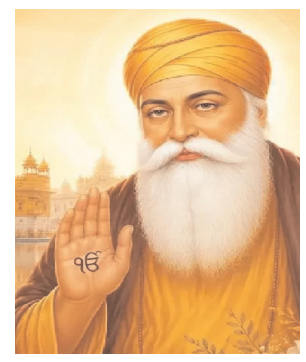

2 संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की.....

4 तर्क और विज्ञान के युग में.....

8 सड़क किनारे मिला 35 वर्षीय.....

तापमान मीटर

लखनऊ	18°	30°
नई दिल्ली	17°	29°
मुंबई	28°	37°
कोलकाता	22°	32°
चेन्नई	26°	32°

शेयर बाजार

सेंसेक्स 82435.99
निफ्टी 25349.65

सर्राफा बाजार

सोना 1,28,255.00 रुपए प्रति दस ग्राम
चांदी 1,75,000.00 रुपए प्रति किलो

एक नजर

सेना पर बयान को लेकर मंत्री जगत सिंह नेगी के खिलाफ बीजेपी का प्रदर्शन

शिमला। हिमाचल प्रदेश के राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी के भारतीय सेना को लेकर दिए गए बयान पर राजनीतिक विवाद बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को मंत्री के बयान के विरोध में भाजपा और भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने शिमला, मंडी और ऊना में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनका पुतला भी जलाया।

इंस्टाग्राम पर नेताओं की पोस्ट का घटा असर

नई दिल्ली। भारत में इंस्टाग्राम पर राजनीतिक पोस्ट की पहुंच और लोगों की प्रतिक्रिया में बदलाव देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और विपक्षी नेताओं के व्यक्तिगत अकाउंट पर लाइक, कमेंट और शेयर की संख्या में कमी आई है। इससे नेताओं की सोशल मीडिया सक्रियता पर असर पड़ा है।

नगर निगम के पानी के टैंकर ने बाइक सवार युवक-युवती को कुचला

आगरा। मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। शाहगंज थाना क्षेत्र के अर्जुन नगर में सुबह करीब 11:45 बजे नगर निगम के पानी के टैंकर ने बाइक सवार युवक और युवती को टक्कर मारकर कुचल दिया। हादसा इतना गंभीर था कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

सुप्रीम कोर्ट ने सासाराम के एडिशनल सेशन जज को लगाई कड़ी फटकार

नई दिल्ली। बिहार के सासाराम में तैनात एक एडिशनल सेशन जज को सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कड़ी फटकार लगाई। मामला एक पुलिस अधीक्षक को अदालत के आदेश की अवहेलना का दोषी ठहराए जाने से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में निचली अदालत के न्यायिक आदेश और कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए।

भाजपा और अकाली दल के गठबंधन का शाह ने किया एलान

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल के बीच गठबंधन का एलान किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि दोनों दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे। इस गठबंधन को पंजाब की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है।

गठबंधन को लेकर दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस प्रस्तावित थी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच चुनावी तालमेल और पंजाब के राजनीतिक भविष्य को लेकर चर्चा हुई। गठबंधन की घोषणा के बाद दोनों दलों के कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है।

अमित शाह ने कहा कि पंजाब को नशे की समस्या से मुक्त कराना उनका प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने राज्य में नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने पर जोर दिया। भाजपा और अकाली दल मिलकर पंजाब में विकास, सुरक्षा और सुशासन के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएंगे।

इस गठबंधन से पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव का राजनीतिक मुकाबला और दिलचस्प होने की संभावना है। दोनों दलों के सामने एकजुट होकर चुनावी रणनीति तैयार करने और मतदाताओं का विश्वास जीतने की चुनौती होगी। अब सभी की नजरें सीटों के बंटवारे और दोनों दलों के साझा चुनावी एजेंडे पर टिकी हैं।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा

खड़ी स्कूल बस में ट्रक ने मारी टक्कर, 4 बच्चों की दर्दनाक मौत, 32 घायल

यूथ इंडिया, कन्नौज



लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर मंगलवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसे ने खुशियों भरे शैक्षिक भ्रमण को मातम में बदल दिया। ठठिया थाना क्षेत्र में किलोमीटर संख्या 210 पर ताजमहल देखकर लौट रहे कौशांबी के ओरिएंटल पब्लिक स्कूल के बच्चों से भरी खड़ी बस में तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में 4 बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 24 बच्चे और 8 स्टाफ सदस्य घायल हो गए। कुल 32 लोग घायल बताए गए हैं।

जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह करीब 6 बजे स्कूल बस एक्सप्रेसवे पर बच्चों को शैचालय जाने के लिए सड़क किनारे खड़ी थी। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से बस में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और बस में बैठे बच्चों में चीख-पुकार मच गई।

हादसे में आर्यन चौरसिया (14) पुत्र प्रेम कुमार चौरसिया निवासी कौशांबी, अरमान (17) पुत्र रियाज अहमद निवासी गोरे खखरेड़, फतेहपुर, जैद मिर्जा (17) पुत्र रियाज अहमद निवासी निधौरा, फतेहपुर तथा रजीउल्लाह (16) पुत्र शमीउल्लाह निवासी कौशांबी की जान चली गई।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, यूपीडा की टीम और एक्सप्रेसवे से गुजर रहे लोगों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। बस में फंसे बच्चों को बाहर निकालकर एंबुलेंस के माध्यम से राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। यहां चिकित्सकों ने चार बच्चों को मृत घोषित कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री और पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार तत्काल मेडिकल कॉलेज पहुंचे। अधिकारियों ने घायलों का हालचाल जाना और चिकित्सकों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

एसपी विनोद कुमार के मुताबिक स्कूल प्रबंधक सलमान और एक बच्चे की हालत गंभीर होने के कारण दोनों को कानपुर रेफर किया गया है। अन्य घायलों का मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है।

बस में कुल 50 लोग सवार थे। हादसे में घायल बच्चों और स्टाफ का उपचार कराया जा रहा है, जबकि पूरी तरह सुरक्षित बच्चों को दूसरी बस से कौशांबी भेजने की व्यवस्था की गई है।

ताजमहल की खूबसूरत यादें लेकर घर लौट रहे बच्चों के परिवारों के लिए यह हादसा जिंदगी भर का दर्द बन गया। एक लापरवाही और तेज रफ्तार ने चार परिवारों के घरों के चिराग बुझा दिए। एक्सप्रेसवे पर हुए इस हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और भारी वाहनों की रफ्तार पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गुरु नानक देव जी ने दिया 'एक ओंकार' का संदेश: सीएम योगी

यूथ इंडिया, लखनऊ



सिख धर्म के संस्थापक और प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व राजधानी लखनऊ में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर डीएवी पीजी कॉलेज में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में गुरु नानक देव जी के जीवन, विचारों और आध्यात्मिक योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि जब विदेशी ताकतें भारत को परेशान कर रही थीं और समाज अनेक चुनौतियों से जूझ रहा था, उस समय गुरु नानक देव जी ने 'एक ओंकार' का मंत्र देकर लोगों को एकता, प्रेम और ईश्वर की एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं आज भी समाज को सही दिशा दिखाने का काम कर रही हैं।

सीएम योगी ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने जाति, धर्म और ऊंच-नीच के भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता की सेवा का मार्ग दिखाया। उनका जीवन सत्य, समानता, सद्भाव और परोपकार का प्रतीक है। उन्होंने समाज को आपसी भाईचारे के साथ रहने और जरूरतमंदों की सहायता करने की प्रेरणा दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु नानक देव जी के विचार और आदर्श आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके समय में थे। उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में एकता, शांति और सद्भाव को मजबूत किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान गुरु नानक देव जी के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने और उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया गया।

खड़े ट्रक से टकराई एसयूवी; मंदिर से लौट रहे पांच लोगों की मौत

यूथ इंडिया, अमरावती

आंध्र प्रदेश में एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। मंदिर में दर्शन करने के बाद लौट रही एक एसयूवी सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार पांच लोगों की जान चली गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एसयूवी में सवार सभी लोग मंदिर में दर्शन करने के बाद अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क के किनारे खड़े ट्रक से उनकी गाड़ी टकरा गई। दुर्घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी और राहत कार्य में मदद की।

हादसे की एक संभावित वजह वाहन चालक को झपकी आना बताई जा रही है। आशंका है कि चालक को नींद की झपकी आने के कारण एसयूवी अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक से टकरा गई। हालांकि, पुलिस ने अभी हादसे के वास्तविक कारणों की पुष्टि नहीं की है।

सूचना मिलने पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की गई। पुलिस दुर्घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है, ताकि हादसे की असली वजह सामने आ सके।

गुरु रविदास की 650वीं जयंती पर निकली समरसता यात्रा का उत्तराखंड में भव्य स्वागत

देहरादून। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में पंजाब से निकाली जा रही समरसता यात्रा के उत्तराखंड पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। हिमाचल प्रदेश के रास्ते उत्तराखंड पहुंची यात्रा का कुल्हाल बॉर्डर पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ अभिनंदन किया। इस दौरान गुरु रविदास जी के विचारों और सामाजिक समरसता के संदेश को याद किया गया।

यह समरसता यात्रा 18 नवंबर को पंजाब के जालंधर से शुरू हुई थी। विभिन्न पड़ावों से गुजरते हुए यात्रा हिमाचल प्रदेश पहुंची और वहां से उत्तराखंड में प्रवेश किया। यात्रा का उद्देश्य संत गुरु रविदास जी के विचारों, समानता, भाईचारे और सामाजिक एकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। कुल्हाल बॉर्डर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, कैबिनेट मंत्री खजान दास और सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर सहित पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने यात्रा का स्वागत किया।

दो सिलिंडर धमाके से फटे, पिता-पुत्र की मौत

यूथ इंडिया, नोएडा



उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित जेवर में बेटी की शादी की तैयारियों के बीच एक घर में भीषण हादसा हो गया। एलपीजी गैस सिलिंडर से रिसाव के बाद बिजली की लाइन में स्पार्किंग होने से घर में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और दो गैस सिलिंडर तेज धमाके के साथ फट गए। इस दर्दनाक हादसे में पिता और पुत्र की मौत हो गई, जबकि मां और दूसरा बेटा झुलस गए।

जानकारी के मुताबिक, जिस घर में यह हादसा हुआ, वहां बेटी की शादी की तैयारियां चल रही थीं। घर में कुल 23 गैस सिलिंडर रखे हुए थे। दो सिलिंडरों में विस्फोट के बाद आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोगों को आशंका थी कि यदि बाकी सिलिंडर भी आग की चपेट में आ जाते तो पूरा गांव बड़ी तबाही की चपेट में आ सकता था।

हादसे के समय परिवार की होने वाली दुल्हन मंदिर गई हुई थी। घर में अचानक आग और धमाकों की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

बेटी की शादी से ठीक पहले हुए इस हादसे ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। पिता और बेटे की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस और संबंधित विभाग घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं। घर में बड़ी संख्या में सिलिंडर रखे होने को लेकर भी जांच की जा रही है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर गांजा तस्करी का भंडाफोड़, दो कारों से 70 लाख का माल बरामद, तीन तस्कर गिरफ्तार

यूथ इंडिया, मथुरा



उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में यमुना एक्सप्रेसवे पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एएनटीएफ आगरा जोन और मांट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त टीम ने मांट टोल प्लाजा से पहले घेराबंदी कर दो कारों को रोककर तलाशी ली। इस दौरान दोनों वाहनों से 134 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 70 लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, तस्करों ने गांजे को 67 पैकेटों में भरकर दोनों कारों में छिपा रखा था। आरोपी इस खेप को दिल्ली ले जाने की फिराक में थे। सोमवार शाम संयुक्त टीम ने संदिग्ध वाहनों को रोककर कार्रवाई की और तलाशी के दौरान गांजे की बड़ी खेप बरामद कर ली।

इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे और दोनों कारों को कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है, ताकि तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी मिल सके।

एएनटीएफ और पुलिस अब इस बात की जांच कर रही हैं कि गांजे की खेप कहां से लाई गई थी और दिल्ली में इसकी आपूर्ति किसे की जानी थी। अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ में मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े नेटवर्क के बारे में अहम जानकारियां सामने आ सकती हैं।

भीषण सड़क हादसा: सीतापुर के चार दोस्तों की दर्दनाक मौत, बोलेरो फ्लाईओवर से नीचे पलटी

यूथ इंडिया, रामपुर/सीतापुर









उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में रफ्तार का कहर चार परिवारों की खुशियां उजाड़ गया। शहजादनगर थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर फ्लाईओवर से नीचे पलट गई। हादसे में बोलेरो सवार सीतापुर जिले के चार दोस्तों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, सीतापुर जिले के बिसवां निवासी चार दोस्त मुरादाबाद से अपने घर लौट रहे थे। देर शाम उनकी बोलेरो फ्लाईओवर से गुजर रही थी। इसी दौरान वाहन अचानक अनियंत्रित हो गया और फ्लाईओवर से नीचे पलट गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए।

हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर बोलेरो में फंसे युवकों को बाहर निकालने का प्रयास किया और पुलिस को सूचना दी। घायल युवक को अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान सुनील पोरवाल, अभिषेक, नीलेश और रामजीवन के रूप में हुई है। चारों सीतापुर जिले के बिसवां क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। सभी मुरादाबाद से अपने घर लौट रहे थे, लेकिन घर पहुंचने से पहले ही उनकी जिंदगी का सफर समाप्त हो गया।

रामपुर पुलिस के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो का पंजीकरण नंबर यूपी 34 बीपी 5766 है। स्थानीय लोगों के अनुसार वाहन की रफ्तार काफी तेज थी, जिसके चलते चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका।

एक साथ चार दोस्तों की मौत की खबर मिलते ही उनके परिवारों में कोहराम मच गया। पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

अयोध्या से जनकपुर धाम तक शुरू हुई सरयू-कमला एक्सप्रेस

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने वर्चुअल हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

यूथ इंडिया, गोरखपुर



भारत और नेपाल के बीच धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रिश्तों को नई मजबूती देने की दिशा में सोमवार, 23 नवंबर को एक महत्वपूर्ण पहल हुई। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या और माता सीता की जन्मस्थली जनकपुर धाम को जोड़ने वाली सरयू-कमला एक्सप्रेस का शुभारंभ किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने वर्चुअल माध्यम से इस विशेष रेल सेवा को हरी झंडी दिखाई।

अयोध्या से जनकपुर धाम तक सीधी रेल सेवा शुरू होने से श्रद्धालुओं और यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। इस सेवा से उत्तर प्रदेश, बिहार और नेपाल के बीच रेल संपर्क भी मजबूत होगा। खास बात यह है कि ट्रेन गोरखपुर होकर गुजरेगी, जिससे पूर्वांचल के यात्रियों को भी लाभ मिलेगा।

उद्घाटन विशेष ट्रेन संख्या 04295 सोमवार दोपहर 12:30 बजे अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन से जनकपुर धाम के लिए रवाना हुई। निर्धारित समय के अनुसार ट्रेन शाम 5:30 बजे गोरखपुर रेलवे स्टेशन पहुंची। यहां 10 मिनट के ठहराव के बाद शाम 5:40 बजे नेपाल के जनकपुर धाम के लिए रवाना हुई।

गोरखपुर में ट्रेन के पहुंचने को पूर्वांचल के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। अब गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं को अयोध्या और जनकपुर धाम की धार्मिक यात्रा के लिए बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध होगा।

सरयू-कमला एक्सप्रेस अयोध्या से चलकर मनकापुर, बस्ती और गोरखपुर होते हुए बिहार में प्रवेश करेगी। इसके बाद नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी, शिशो, मधुबनी और जयनगर के रास्ते नेपाल के जनकपुर धाम पहुंचेगी।

लगभग 604 किलोमीटर की इस यात्रा को पूरा करने में करीब 19 घंटे लगेंगे। इस रेल संपर्क से उत्तर प्रदेश, बिहार और नेपाल के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

उद्घाटन विशेष ट्रेन में कुल 17 कोच लगाए गए हैं। इनमें 7 स्लीपर, 3 थर्ड एसी, 3 थर्ड एसी इकोनॉमी और 2 सेकेंड एसी कोच शामिल हैं। इसके अतिरिक्त एक जनरेटर सह लगेज यान और एक एलएसएलआरडी कोच लगाया गया है।

उद्घाटन विशेष ट्रेन के बाद नियमित यात्री सेवा 28 नवंबर 2026 से शुरू होने वाली है। नियमित सेवा सप्ताह में एक बार दोनों दिशाओं में संचालित होगी।

पहाड़ों में कड़ाके की ठंड, मैदानों में बढ़ी सर्दी और घने कोहरे का अलर्ट

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



देशभर में सर्दी का असर तेजी से बढ़ रहा है। पहाड़ी इलाकों में तापमान माइनस में पहुंच गया है और झीलें जमने लगी हैं। बद्रीनाथ में पारा -11°C और गंगोत्री में -14°C दर्ज किया गया, जबकि हिमाचल की मणिमहेश झील पर 4 से 5 इंच मोटी बर्फ जम गई है।

कश्मीर के छह शहरों में तापमान शून्य से नीचे रहा। शोपियां में -3.9°C और श्रीनगर में -0.4°C न्यूनतम तापमान दर्ज हुआ। वहीं, राजस्थान के फतेहपुर में पारा 4.6°C तक गिर गया और मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल 12.4°C के साथ प्रदेश का सबसे ठंडा शहर रहा।

मैदानी इलाकों में भी ठंड और कोहरे का असर बढ़ने लगा है। उत्तर प्रदेश के 15 शहरों में मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। लखीमपुर में दृश्यता 25 मीटर से भी कम दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार दिनों में मध्य प्रदेश में तापमान 2 से 4°C और उत्तर प्रदेश में अगले सप्ताह 3 से 5°C तक गिर सकता है।

बढ़ती ठंड को देखते हुए लोगों को सुबह और रात के समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। गर्म कपड़े पहनें, पर्याप्त गर्म पेय लें और घने कोहरे में वाहन चलाते समय धीमी गति रखें। बुजुर्गों और बच्चों को ठंड से बचाकर रखें तथा मौसम के बदलते हालात पर नजर बनाए रखें।

कन्नौज बस-ट्रक हादसे का अपडेट: डीआईजी ने घायलों का जाना हाल, सभी खतरे से बाहर

- एक छात्र को बार-बार लघुशंका आने पर रोकी गई थी बस
- तभी पीछे से ट्रक ने मारी टक्कर
- मुख्यमंत्री योगी ने लिया संज्ञान

यूथ इंडिया, कन्नौज



आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह ठठिया थाना क्षेत्र में हुए भीषण बस-ट्रक हादसे में 4 छात्रों की मौत के बाद प्रशासनिक अमला सक्रिय हो गया। हादसे की जानकारी मिलने पर कानपुर परिक्षेत्र के डीआईजी यमुना प्रसाद तिर्वा मेडिकल कॉलेज पहुंचे और वहां भर्ती घायल छात्रों का हालचाल जाना।

डीआईजी यमुना प्रसाद ने मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक पुष्पेंद्र कुमार से वार्ता करने के बाद बताया कि अस्पताल में भर्ती सभी घायल खतरे से बाहर हैं। उन्होंने हादसे की परिस्थितियों की जानकारी देते हुए बताया कि एक छात्र को बार-बार लघुशंका आने की परेशानी हो रही थी, जिसके चलते बस को एक्सप्रेसवे पर रोका गया था। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने खड़ी बस में जोरदार टक्कर मार दी।

डीआईजी ने दुर्घटना के बाद पुलिस द्वारा तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने और पीड़ितों को बिना देरी के मदद पहुंचाने की सराहना की।

मुख्यमंत्री योगी ने लिया संज्ञान

कन्नौज में हुए इस दर्दनाक सड़क हादसे का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री ने मृतक छात्रों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने पीड़ित परिवारों से बात कर उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। चार मासूम छात्रों की मौत ने सड़क सुरक्षा और एक्सप्रेसवे पर खड़े वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नकली ऑक्सीटोसिन फैक्ट्री का भंडाफोड़, 2 करोड़ से अधिक की दवा बरामद

- एसटीएफ और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो आरोपी गिरफ्तार
- फिनायल और नमक से तैयार किया जा रहा था नकली इंजेक्शन

यूथ इंडिया, लखनऊ



दुबग्गा इलाके में एसटीएफ और पुलिस की संयुक्त टीम ने नकली ऑक्सीटोसिन बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर अवैध दवा कारोबार का बड़ा खुलासा किया है। सोमवार देर रात की गई छापेमारी में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। मौके से 2 करोड़ रुपये से अधिक कीमत का नकली ऑक्सीटोसिन और इसे तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद की गई।

जांच के दौरान सामने आया कि फैक्ट्री में नकली ऑक्सीटोसिन तैयार कर उसे बोतलों और एम्पुल में भरकर बाजार में सप्लाई करने की तैयारी थी। छापेमारी के दौरान टीम ने 200 एमएल की 3,700 बोतलें और 2 एमएल के 1 लाख 77 हजार 800 एम्पुल बरामद किए। इसके अलावा 35 लीटर लिक्विड ऑक्सीटोसिन भी मिला।

फैक्ट्री से 8 हजार खाली बोतलें, 48 हजार एल्युमिनियम ढक्कन और 5 हजार रबर कैप बरामद किए गए। नकली दवा की पैकिंग और सीलिंग के लिए इस्तेमाल की जा रही मशीनें भी जब्त की गई।

प्रारंभिक जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। फैक्ट्री में कथित तौर पर फिनायल के 12 केन, 36 किलो नमक और संदिग्ध पाउडर का इस्तेमाल कर नकली ऑक्सीटोसिन तैयार किया जा रहा था। इसके बाद तैयार तरल को बोतलों और एम्पुल में भरकर बाजार में खपाने की योजना थी।

एसटीएफ और पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। जांच एजेंसियां इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों, दवा की सप्लाई के ठिकानों और पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हैं। इस कार्रवाई से नकली दवाओं के कारोबार में शामिल लोगों में हड़कंप मच गया है।

पूर्व मंत्री कैलाश चौरसिया पर सगे भाई ने लगाया जमीन कब्जाने का आरोप, पारिवारिक विवाद सार्वजनिक

यूथ इंडिया, मिर्जापुर



उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व राज्य मंत्री एवं समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता कैलाश चौरसिया एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार उनके खिलाफ उनके ही सगे भाई प्रदीप कुमार चौरसिया ने जमीन और संपत्ति पर कब्जा करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पारिवारिक संपत्ति को लेकर सामने आए इस विवाद ने जिले के राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज कर दी है।

प्रदीप कुमार चौरसिया का आरोप है कि उनके भाई कैलाश चौरसिया ने पारिवारिक संपत्ति पर कब्जा कर लिया है। उनका कहना है कि संपत्ति को लेकर उनके साथ अन्याय हुआ है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है।

गौरतलब है कि कैलाश चौरसिया मिर्जापुर नगर विधानसभा सीट से तीन बार विधायक रह चुके हैं और उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। समाजवादी पार्टी में उनकी पहचान वरिष्ठ नेताओं के रूप में रही है।

अपने ही सगे भाई की ओर से लगाए गए आरोपों के बाद मामला राजनीतिक और पारिवारिक दोनों स्तरों पर चर्चा का विषय बन गया है। फिलहाल पूर्व मंत्री कैलाश चौरसिया का पक्ष सामने नहीं आया है। उनके बयान और मामले में आगे होने वाली कार्रवाई का इंतजार है।

कानपुर के बॉयज हॉस्टल में मिला डिलीवरी बॉय का 5-6 दिन पुराना शव, कमरे से मिली डायरी

- कमरे से दुर्गंध आने पर हॉस्टल के छात्रों ने पुलिस को दी सूचना, बरेली का रहने वाला था मृतक

यूथ इंडिया, कानपुर



शहर के कल्याणपुर स्थित एक बॉयज हॉस्टल में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक कमरे से डिलीवरी बॉय का करीब 5-6 दिन पुराना शव बरामद हुआ। कमरे से तेज दुर्गंध आने पर हॉस्टल में रहने वाले अन्य छात्रों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खुलवाया तो अंदर युवक का शव पड़ा मिला।

मृतक की पहचान बरेली निवासी 30 वर्षीय केशव कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि केशव पिछले करीब एक साल से कानपुर में रहकर डिलीवरी बॉय का काम कर रहा था।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। कमरे की तलाशी के दौरान पुलिस को एक डायरी भी मिली है, जिसमें जीवन और मृत्यु से जुड़ी पंक्ति लिखी हुई बताई जा रही है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस डायरी में लिखी बातों और घटनास्थल से मिले अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

हॉस्टल में युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है।

शादी से पहले दूल्हे की अनोखी अपील, मेहमानों से मांगे तीन संकल्प

- पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधा लगाने की अपील, योगी आदित्यनाथ को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने और विधायक रितेश गुप्ता के समर्थन में भी कही बात

यूथ इंडिया, मुरादाबाद



आमतौर पर शादी में दूल्हा-दुल्हन अपने मेहमानों और रिश्तेदारों से उपहार प्राप्त करते हैं, लेकिन मुरादाबाद के एक दूल्हे ने अपनी शादी को यादगार बनाने के लिए मेहमानों से उपहार की जगह तीन खास संकल्प लेने की अपील की है। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

मुरादाबाद की इंदिरा कॉलोनी निवासी जितेंद्र अग्रवाल के बेटे अनमोल अग्रवाल का विवाह 25 नवंबर को होने जा रहा है। बुधवार को विवाह से पहले हल्दी की रस्म आयोजित की गई। इसी दौरान अनमोल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर अपनी शादी में शामिल होने वाले मेहमानों और आम लोगों से तीन संकल्प लेने की अपील की।

अनमोल की पहली अपील पर्यावरण संरक्षण को लेकर है। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम एक पौधा लगाने और प्रकृति को सुरक्षित रखने का संकल्प लेने की बात कही।

उनकी दूसरी अपील राजनीतिक है। अनमोल ने वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में योगी आदित्यनाथ को दोबारा जिताकर मुख्यमंत्री बनाने की अपील की।

दुल्हन के साथ फोटो खिंचवाने पर बवाल, दूल्हे ने मारा थप्पड़ तो दोनों पक्षों में जमकर मारपीट

यूथ इंडिया, मेरठ



शादी समारोह में दुल्हन के साथ फोटो खिंचवाने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया। दूल्हे की नाराजगी के बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। पीड़ित पक्ष ने दूल्हे समेत कई लोगों के खिलाफ शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

मामला थाना लिसाड़ी गेट क्षेत्र के श्यामनगर स्थित कंजर वाला पुल के पास शादी महल मंडप का है। जानकारी के अनुसार समीर पुत्र दिलशाद निवासी समर गार्डन, कब्रिस्तान वाली गली की शादी 21 नवंबर 2026 को सानिया निवासी मोदीपुरम गांव बलहेड़ा से हुई थी। 22 नवंबर को मंडप में वलीमा (रिसेप्शन) का कार्यक्रम चल रहा था।

इसी दौरान लड़की पक्ष की ओर से आए युवक शाकिब के दुल्हन के साथ फोटो खिंचवाने को लेकर दूल्हा समीर नाराज हो गया। आरोप है कि उसने शाकिब को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते मंडप में जमकर मारपीट शुरू हो गई।

मारपीट में अब्दुल समद पुत्र चांद निवासी मोदीपुरम, बलहेड़ा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना डायल 112 पर दी गई। मौके पर पहुंची लिसाड़ी गेट पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया।

वहीं पीड़ित पक्ष ने थाने पहुंचकर दूल्हा समीर, उसके दोस्तों उबैद, अज्जू, शादाब सहित 10 से 12 अज्ञात युवकों के खिलाफ शिकायत पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। शिकायत और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस मुठभेड़, मोबाइल-बाइक चोरी करने वाला बदमाश घायल, दूसरा फरार

- दादरी पुलिस की चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़, 9 मोबाइल फोन
- 4 बाइक और अवैध तमंचा बरामद

यूथ इंडिया, ग्रेटर नोएडा



ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र में चेकिंग के दौरान पुलिस और मोबाइल फोन व बाइक चोरी करने वाले बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में लोकेश नाम का एक बदमाश घायल हो गया, जबकि उसका दूसरा साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया।

घायल बदमाश को पुलिस ने तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा, चोरी और लूट के 9 मोबाइल फोन तथा 4 बाइक बरामद की हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी नोएडा-एनसीआर क्षेत्र में मोबाइल फोन और दोपहिया वाहनों की चोरी व लूट की वारदातों को अंजाम देते थे।

मुठभेड़ के बाद पुलिस फरार बदमाश की तलाश में जुट गई है। साथ ही बरामद मोबाइल फोन और बाइकों के संबंध में भी जांच की जा रही है।

पुलिस हिरासत से फरार आरोपी सुबह खुद पहुंचा अदालत, पुलिस ने फिर लिया हिरासत में

आगरा। मदिया कटरा स्थित एक होटल से पुलिस हिरासत में लाया गया आरोपी देर रात फरार हो गया। हैरानी की बात यह रही कि सुबह आरोपी खुद अदालत पहुंच गया, जहां पुलिसकर्मियों ने उसे दोबारा हिरासत में ले लिया। घटना के बाद पुलिस महकमे में मची हलचल के बीच अब पुलिसकर्मियों की लापरवाही की भी जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार, आरोपी को हिमाचल प्रदेश से अदालत में पेशी के लिए आगरा लाया गया था। सोमवार दोपहर तीन पुलिसकर्मी उसे लेकर मदिया कटरा स्थित होटल पहुंचे थे। इसी दौरान रात करीब 1:40 बजे आरोपी होटल से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि वह लिफ्ट का इस्तेमाल करने के बजाय सीढ़ियों से नीचे उतरकर निकल गया। तीन पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के बावजूद आरोपी के होटल से गायब होने की जानकारी सामने आने पर हड़कंप मच गया। आरोपी की तलाश शुरू की गई। पुलिसकर्मी उससे संबंधित जानकारी जुटाने के लिए दीवानी अदालत भी पहुंचे। इसी बीच सुबह आरोपी खुद अदालत पहुंच गया। पुलिसकर्मियों ने उसे दोबारा हिरासत में ले लिया। आरोपी पिनाहट क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है और सोमवार को उसकी अदालत में पेशी होनी थी। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पड़ताल की जा रही है कि तीन पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में आरोपी होटल से फरार कैसे हुआ और इस दौरान सुरक्षा में कहां चूक हुई।

राजू निषाद हत्याकांड में न्याय की मांग, पत्नी ने परिजनों के साथ किया प्रदर्शन

- हत्याकांड का खुलासा और आरोपियों की गिरफ्तारी की उठाई मांग, अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

यूथ इंडिया, हमीरपुर



फल विक्रेता राजू निषाद हत्याकांड का खुलासा न होने से नाराज परिजनों का आक्रोश अब सड़कों पर दिखाई देने लगा है। मंगलवार को मृतक की पत्नी सरोजिनी ने परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों के साथ बैनर-पोस्टर लेकर अधिकारियों के पास पहुंचकर प्रदर्शन किया। परिजनों ने हत्याकांड का जल्द खुलासा करने और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग उठाई।

मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के कालपी चौराहा स्थित पुराने यमुना घाट का है। यहां रहने वाले फल विक्रेता राजू निषाद की बीते 16 अक्टूबर को हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद से ही परिवार हत्यारों की गिरफ्तारी और हत्याकांड के खुलासे की मांग कर रहा है।

प्रदर्शन के दौरान मृतक की पत्नी और परिजनों ने कहा कि घटना को काफी समय बीत जाने के बावजूद उन्हें अभी तक न्याय नहीं मिला है। परिवार ने हत्याकांड की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। इसके साथ ही पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से उचित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई गई।

परिजनों ने अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और मामले का पर्दाफाश करने की मांग की। अधिकारियों की ओर से मामले में निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया गया है।

प्रदर्शन में मृतक की पत्नी सरोजिनी और स्थानीय निवासी रामजीवन ने भी अपनी बात रखी। परिजनों का कहना है कि जब तक हत्याकांड का खुलासा नहीं होता और दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक उनकी न्याय की मांग जारी रहेगी।

कार्तिक पूर्णिमा पर उमड़ा आस्था का सैलाब, हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

यूथ इंडिया, उन्नाव



कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर शुक्लागंज स्थित गंगा घाटों पर श्रद्धा और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। मंगलवार सुबह की पहली किरण के साथ ही गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। देखते ही देखते घाटों पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मां गंगा के जयकारों और वैदिक मंत्रोच्चार से पूरा गंगा तट भक्तिमय हो उठा।

कार्तिक पूर्णिमा के महत्व को देखते हुए आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के साथ ही दूर-दराज के इलाकों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंचे। महिला, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चों में स्नान को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया और परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

स्नान के उपरांत श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से मां गंगा की पूजा-अर्चना की। गंगा तट पर दीपदान के साथ अन्न, वस्त्र और अन्य सामग्री का दान किया गया। धार्मिक मान्यताओं के चलते लोगों ने पूरे श्रद्धाभाव से पूजा-पाठ और दान-पुण्य किया।

सुबह से ही शुक्लागंज के विभिन्न गंगा घाटों पर भक्तिमय माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं की आवाजाही और मां गंगा के जयकारों से पूरा क्षेत्र धर्ममय नजर आया। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर गंगा तट पर उमड़ा श्रद्धा और विश्वास का जनसैलाब पर्व की धार्मिक महत्ता को दर्शाता रहा।

पूरे शुक्लागंज में कार्तिक पूर्णिमा का पर्व उत्साह, श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया।

कार्तिक पूर्णिमा पर मेंहदी घाट पहुंचे डीआईजी यमुना प्रसाद, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

- एसपी विनोद कुमार के साथ किया निरीक्षण, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर पुलिस अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

यूथ इंडिया, कन्नौज



कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। मंगलवार को कानपुर परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक यमुना प्रसाद ने पुलिस अधीक्षक कन्नौज विनोद कुमार के साथ मेंहदी घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घाट पर सुरक्षा इंतजामों, भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने संबंधित अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि कार्तिक पूर्णिमा पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सभी पुलिसकर्मी पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करें। घाट पर भीड़ को व्यवस्थित रखने के साथ श्रद्धालुओं के आवागमन को सुचारू बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जाए।

उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पुलिस बल संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखे और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहे।

डीआईजी ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं प्रभावी ढंग से बनाए रखी जाएं और ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो।

कन्नौज पुलिस की ओर से कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मेंहदी घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए सतर्कता के साथ पुलिस बल तैनात किया गया है।

आधी रात को नगर कोतवाली पहुंचे प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह, पुलिस व्यवस्था का लिया जायजा

यूथ इंडिया, गाजियाबाद

इंद्रेश शर्मा



गाजियाबाद में मंगलवार देर रात उस समय पुलिस महकमे में हलचल मच गई, जब जिले के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह अचानक नगर कोतवाली पहुंच गए। बिना किसी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के हुए इस औचक निरीक्षण से पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों में सक्रियता देखने को मिली। मंत्री ने कोतवाली पहुंचकर केवल व्यवस्थाओं का औपचारिक जायजा नहीं लिया, बल्कि साइबर सेल से लेकर हवालात और मालखाने तक का निरीक्षण कर पुलिस की कार्यप्रणाली और अभिलेखों की स्थिति परखी।

प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने नगर कोतवाली के साइबर सेल का निरीक्षण करते हुए साइबर अपराधों की जांच और उनके निस्तारण की स्थिति के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने साइबर अपराध से संबंधित विवेचना की फाइलें और अभिलेख देखे। साथ ही साइबर अपराधियों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई तथा आम नागरिकों को साइबर ठगी से बचाने के लिए चलाए जा रहे जागरूकता प्रयासों की जानकारी प्राप्त की।

इसके बाद उन्होंने हवालात और मालखाने का निरीक्षण किया। मालखाने में रखे सामान और संबंधित अभिलेखों की स्थिति देखी। पुलिसकर्मियों की उपस्थिति पंजिका की भी जांच की गई। मंत्री ने टॉप-10 अपराधियों से संबंधित रिकॉर्ड का अवलोकन करते हुए अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस की तैयारियों के बारे में जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने लंबित विवेचनाओं, अपराध नियंत्रण और आम जनता की शिकायतों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि थानों के सभी अभिलेख नियमित रूप से अपडेट रखे जाएं। लंबित मामलों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए और उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने साइबर अपराधों को गंभीरता से लेते हुए ऐसे मामलों में प्रभावी कार्रवाई करने तथा पीड़ितों की शिकायतों पर प्राथमिकता से ध्यान देने पर जोर दिया। मंत्री ने कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि अपराधों की रोकथाम और आम नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास कायम करना भी है।

संक्षिप्त समाचार

चीन को पुराने चिप्स की बिक्री पर नहीं लगेंगे नए प्रतिबंध, अमेरिकी वित्त मंत्री दे दिया बड़ा बयान

बीजिंग, एजेंसी। वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार और अमेरिका-चीन तकनीकी टकराव के बीच अमेरिकी सरकार ने एक बड़ा नीतिगत फैसला लिया है। अमेरिकी वित्त मंत्री (ट्रेजरी सेक्रेटरी) स्कॉट बेसेंट ने साफ किया है कि चीन को एनवीडिया के पुराने चिप्स बेचने पर अब और नए प्रतिबंध लगाने की जरूरत नहीं है। यह बयान ट्रंप प्रशासन की की ओर से चीन की नवीनतम सेमीकंडक्टर्स तक रिमोट एक्सेस (पहुंच) को रोकने के फैसले के ठीक बाद आया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ एशिया दौरे से लौटने के बाद शुक्रवार को सीएनबीसी (सीएनबीसी) को दिए एक साक्षात्कार में स्कॉट बेसेंट ने कहा कि चिप निर्यात को लेकर जरूरी और उचित पाबंदियां पहले से लागू हैं। बेसेंट के मुताबिक, चीनी कंपनियों की अत्याधुनिक चिप्स तक रिमोट पहुंच को प्रभावी ढंग से सीमित कर दिया गया है। उन्होंने रेखांकित किया कि मौजूदा नियमों के तहत पुराने सेमीकंडक्टर्स पर अतिरिक्त रोक लगाने की दरकार नहीं है। एनवीडिया की तकनीक तक चीनी कंपनियों की पहुंच उस समय गंभीर जांच के दायरे में आ गई, जब कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेन्सन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। हुआंग पर सिंगापुर की कंपनी मेगास्पीड की एक कार्यकारी के साथ कथित संबंधों के आरोप लगे थे।

पेरू में 6.9 तीव्रता का आया भूकंप, राजधानी लीमा तक लगे झटके, प्रशांत रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में कांपी धरती

लीमा, एजेंसी। मध्य पेरू के एंडीज क्षेत्र में शुक्रवार को 6.9 तीव्रता का भूकंप आया। तत्काल किसी नुकसान या हताहत की कोई खबर नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शाम 7:09 बजे आया। इसका केंद्र जुनिन से 34 किलोमीटर उत्तर में एंडीज में था। भूकंप की गहराई 108 किलोमीटर दर्ज की गई। पेरू के भूभौतिकीय संस्थान ने भी किसी नुकसान या हताहत की सूचना नहीं दी। पेरू के जियोफिजिकल इंस्टीट्यूट ने बताया कि किसी तरह के नुकसान या लोगों के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। भूकंप के केंद्र के पास स्थित कारहुआमायो के मेयर, अब्देल वेगा ने भी एक स्थानीय टेलीविजन स्टेशन को बताया कि किसी के घायल होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। पेरू की राजधानी में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोग सड़कों पर निकल आए। पेरू रिंग ऑफ फायर पर स्थित है, जहां दुनिया के अधिकांश भूकंप आते हैं। अगस्त में पेरू के एंडीज में 6.7 तीव्रता के भूकंप से दो लोग घायल हुए थे। जुलाई में जुनिन क्षेत्र में 5.5 तीव्रता के भूकंप से छह लोगों की मौत और 30 लोग घायल हुए थे।

परमाणु हथियारों की होड़: ट्रंप बोले- चीन तेजी से बढ़ा रहा अपना जखीरा, शी-पुतिन से मुलाकात के बाद जताई चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि चीन तेजी से परमाणु हथियार बना रहा है। उन्होंने इसे तेज और भारी विस्तार बताया है। यह टिप्पणी उन्होंने चीनी नेता शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के एक दिन बाद की। तीनों देशों ने परमाणु अप्रसार रोकने पर बातचीत के लिए सहमति जताई है। यह बैठक गुरुवार को दक्षिणी चीनी शहर शेन्जन में हुई थी। रूस और अमेरिका के पास हजारों परमाणु हथियार हैं। वे दुनिया में इस मामले में सबसे आगे हैं। वहीं चीन अपने परमाणु जखीरे का तेजी से विस्तार कर रहा है। पेंटागन ने चीन के सैन्य विस्तार की अपनी वार्षिक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन के परमाणु हथियारों का भंडार 2024 तक 600 से कम रहा। हालांकि, देश 2030 तक 1,000 से अधिक परमाणु हथियार रखने की राह पर है। ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक समाचार सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने चीन के परमाणु विस्तार पर टिप्पणी करते हुए कहा, वे 10 साल के भीतर हमें पकड़ लेंगे। उन्होंने आगे कहा कि चीन इस पर तेज और भारी गति से काम कर रहा है। ट्रंप की ये सार्वजनिक टिप्पणियां उनकी विवादित शिखर बैठक के बाद पहली थीं। इस बैठक में अमेरिका के लंबे समय से प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाले देशों के नेता शामिल थे। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शुक्रवार को ट्रंप के साथ पत्रकारों से बात की। रुबियो ने जोर दिया, इन तीनों देशों के पास इस ग्रह पर परमाणु हथियारों का भारी बहुमत है। उन्होंने कहा कि इन तीनों नेताओं का नियमित रूप से बातचीत न करना सिर्फ बेतुका नहीं, बल्कि खतरनाक है।

एपस्टीन को क्यों पसंद थीं रूसी महिलाएं: पुतिन से मिलने का सपना, सत्ता के गलियारों तक पहुंचने का भी था इरादा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फाइनेंसर जेफरी एपस्टीन की कहानी सिर्फ यौन शोषण और मानव तस्करी तक सीमित नहीं थी। वह दुनिया के अमीर और प्रभावशाली लोगों के बीच अपनी पहचान बनाना चाहता था। रूस के साथ उसका रिश्ता भी इसी कोशिश का हिस्सा था। शुरुआत रूसी मॉडल्स और युवा महिलाओं से हुई, लेकिन धीरे-धीरे उसकी दिलचस्पी वहां के अरबपतियों, कारोबारियों और सरकारी अधिकारियों तक पहुंच बनाने में बढ़ती गई। यहां तक कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की कोशिश भी करता रहा।

रॉयटर्स की पड़ताल के मुताबिक, रूस के प्रति एपस्टीन की दिलचस्पी के पीछे महिलाओं तक पहुंच, ताकतवर लोगों से संपर्क और अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा दोबारा हासिल करने की कोशिश जैसे पहलू थे।

रूस से एपस्टीन की दिलचस्पी कैसे शुरू हुई : 1989 में बर्लिन की दीवार गिरने और सोवियत संघ के खुलने के बाद पश्चिमी देशों की मॉडलिंग एजेंसियों की नजर पूर्वी यूरोप और रूस की युवा प्रतिभाओं पर पड़ी। उस दौर में कई मॉडलिंग एजेंट नए चेहरों की तलाश में रूस और आसपास के देशों में पहुंच रहे थे। इसी नेटवर्क में फ्रांस के मॉडलिंग एजेंट जीन-ल्यूक ब्रुनेल भी शामिल थे। वह पेरिस की मॉडलिंग एजेंसी करिन मॉडल्स के लिए काम करते थे। उनका काम पूर्वी यूरोप और पूर्व सोवियत संघ से लड़कियों और युवतियों को

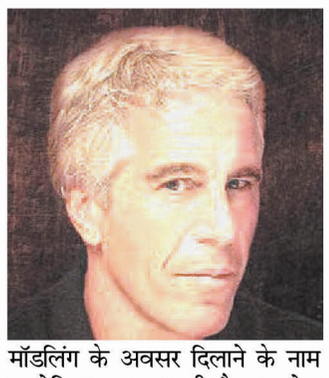

मॉडलिंग के अवसर दिलाने के नाम पर पेरिस लाना था। इसी दौरान ब्रुनेल के जरिए एपस्टीन की मॉडलिंग की दुनिया में पहुंच बढ़ी। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, कम उम्र की लड़कियों को मॉडलिंग और बेहतर करियर का सपना दिखाकर उसके संपर्क में लाया जाता था। 1991 में पेरिस में ब्रुनेल के एक कार्यक्रम में शामिल हुई पूर्व मॉडल थिसिया हुइसमैन ने एक रूसी लड़की को एपस्टीन के साथ बैठे देखा था। उनके मुताबिक, लड़की काफी कम उम्र की लग रही थी और उसने बताया था कि ब्रुनेल उसे सुपरमॉडल बनाने का वादा करके पेरिस लाए थे।

मॉडलिंग का नेटवर्क शोषण का जरिया कैसे बना : एपस्टीन का रूस से जुड़ाव सिर्फ मॉडल्स से मुलाकात तक सीमित नहीं रहा। धीरे-धीरे मॉडलिंग एजेंसियां उसके लिए महिलाओं और लड़कियों तक पहुंच बनाने का माध्यम बनती गईं। रॉयटर्स की जांच में पूर्व सोवियत संघ की कम से कम 17 ऐसी महिलाओं की पहचान हुई, जिन्हें एपस्टीन के यौन शोषण और मानव तस्करी के नेटवर्क में लाया गया था। 2003 में ब्रुनेल ने मियामी में करिन मॉडल्स ऑफ अमेरिका नाम से मॉडलिंग एजेंसी शुरू की। दो साल बाद इसका नाम बदलकर स्क्ष्2 मॉडल्स मैनेजमेंट कर दिया गया। ब्रुनेल ने फ्रांसीसी जांचकर्ताओं को बताया था कि एपस्टीन ने इस एजेंसी को 3 लाख डॉलर के कर्ज की गारंटी दी थी। रूस से मॉडल्स की भर्ती करती थी। एजेंसी उन्हें अमेरिका जाने के लिए जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने में मदद करती थी, जबकि एपस्टीन उनके रहने के लिए अपार्टमेंट की व्यवस्था करता था। इस व्यवस्था का एक उदाहरण स्वेतलाना पॉझिदायेवा हैं। उन्होंने रॉयटर्स को बताया कि 2008 में पेरिस में उनकी मुलाकात एपस्टीन से हुई थी। उसने उन्हें विक्टोरिया सीक्रेट में मॉडलिंग का अवसर दिलाने का वादा किया था। अगले साल वह अमेरिका पहुंचीं और MCw से जुड़ गईं। बाद में वह एपस्टीन की निजी सहायक भी बनीं। उनके मुताबिक, एपस्टीन उनका यौन शोषण करता था। उन्होंने बताया कि उनका वीजा एजेंसी के जरिए था, रहने की व्यवस्था एपस्टीन करता था और उनके खर्चों को कर्ज के रूप में दर्ज किया जाता था। इससे उनके लिए उस माहौल से बाहर निकलना मुश्किल हो गया था।

रूसी अरबपतियों से दोस्ती क्यों चाहता था एपस्टीन : 2008 में नाबालिग लड़की से जुड़े यौन अपराध सहित वेश्यावृत्ति के आरोपों में दोष स्वीकार करने के बाद एपस्टीन को 13 महीने जेल में रहना पड़ा था। इसके बाद उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को बड़ा झटका लगा। रॉयटर्स के मुताबिक, इसी दौर में उसने रूसी अरबपतियों और प्रभावशाली लोगों से संपर्क बढ़ाने की कोशिश की। वह खुद को वित्तीय मामलों का विशेषज्ञ बताता था और अमीर कारोबारियों को निवेश संबंधी सलाह देने की पेशकश करता था। इनमें रूसी रियल एस्टेट कारोबारी व्लादिस्लाव डोरोनिन भी शामिल थे। 2010 में डोरोनिन के कार्यालय ने एपस्टीन को मॉस्को के एक चैरिटी कार्यक्रम में आमंत्रित किया था। बाद में दोनों ने न्यूयॉर्क में डिनर किया और मॉस्को की एक बड़ी रियल एस्टेट परियोजना पर चर्चा भी की। एपस्टीन ने धातु उद्योग के अरबपति ओलेग डेरिपास्का से भी संपर्क बनाने की कोशिश की। हालांकि, दोनों की मुलाकात हुई थी या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। रूस में एपस्टीन की दिलचस्पी का सबसे अहम पहलू पुतिन तक पहुंच बनाना था। सितंबर 2011 में वह रूस की यात्रा की योजना बना रहा था। उसके ईमेल में मॉडलिंग एजेंट और एक वैज्ञानिक अकादमी से मुलाकात का जिक्र था। एक कर्मचारी ने बताया था कि उसके रूसी बॉडीगार्ड के अनुसार, एपस्टीन की पुतिन से मुलाकात भी तय थी। हालांकि, बाद में यात्रा रद्द हो गई और मुलाकात होने का कोई प्रमाण नहीं मिला।

ईरान युद्ध पर डोनाल्ड ट्रंप को मिली बड़ी राहत, सीनेट ने सेना की वापसी से जुड़े प्रस्ताव को किया खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। 3 नवंबर के मध्यावधि चुनावों के बाद युद्ध पर हुए अपने पहले मतदान में, अमेरिकी सीनेट ने हाउस (प्रतिनिधि सभा) ने पारित एक प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। इस प्रस्ताव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के साथ चल रहे संघर्ष से अमेरिकी सेनाओं को वापस बुलाने का निर्देश दिया गया था। सीनेट के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, गुरुवार को यह प्रस्ताव 48-51 के अंतर से गिर गया। इसके खारिज होने के साथ ही सीनेट में यह प्रस्ताव समाप्त हो गया है। तीन रिपब्लिकन सदस्यों - मेन की सुसान कोलिन्स, अलास्का की लिसा मुर्कोव्स्की और केंटकी के रैंड पॉल - ने डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर इस प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। पेंसिल्वेनिया के डेमोक्रेट जॉन फेटरमैन ने इसके खिलाफ वोट किया। कनेक्टिकट के डेमोक्रेट क्रिस मर्फी ने मतदान नहीं किया और सदन में उन्हें अनिवार्य रूप से अनुपस्थित घोषित किया गया। नॉर्थ कैरोलिना के रिपब्लिकन थॉम टिलिस, जिन्होंने सितंबर में इसी तरह के एक प्रस्ताव का समर्थन किया था। उसने इस बार इसके खिलाफ वोट दिया। इससे पहले वाला प्रस्ताव, 24 सितंबर को 49-50 के अंतर से गिर गया था। सीनेटर एडम शिफ के कार्यालय ने बताया कि गुरुवार को हुआ मतदान युद्ध शक्तियों के प्रस्ताव के जरिए युद्ध को खत्म करने के लिए सीनेट का 15वां वोट था। रोल कॉल रिकॉर्ड के अनुसार, सीनेट ने 23 जून को 50-48 के अंतर से ऐसा ही एक प्रस्ताव पारित किया था।

मैसाचुसेट्स के डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि सेठ मौल्टन ने 28 अप्रैल को पेश किया था। 15 सितंबर को हाउस ने 220-204 के अंतर से इसे मंजूरी दे दी। इस प्रस्ताव में 1973 के युद्ध शक्तियों के प्रस्ताव की धारा 5(ष्) का हवाला दिया गया था। एक समवर्ती प्रस्ताव होने के नाते, इसे हस्ताक्षर के लिए राष्ट्रपति के पास भेजने की आवश्यकता नहीं थी।

डेमोक्रेटिक सीनेटर टिमकेन ने क्या कहा : बहस के दौरान, वर्जीनिया के डेमोक्रेटिक सीनेटर टिमकेन ने अपने साथियों से कहा, वही करें जिसकी मांग संविधान करता है, जिसकी मांग हमारी जनता करती है और वह है इस अवैध युद्ध को खत्म करना। कांग्रेसनल रिकॉर्ड के अनुसार, केन ने कहा, अमेरिकी जनता इससे तंग आ चुकी है। लेकिन हम, यहां सीनेट में, इसे ठीक करने की क्षमता रखते हैं। यह वोट देना कि यह युद्ध अवैध है, इसी दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। विस्कॉन्सिन की डेमोक्रेटिक सीनेटर टैमी बाल्डविन ने सदन में कहा कि इस युद्ध की वजह से करदाताओं के कम से कम 47 अरब डॉलर खर्च हुए हैं और 23 अमेरिकियों ने अपनी जान गंवाई है।

सिर्फ मौजूदा हालात से बचने के लिए डील नहीं, अराघची ने अमेरिका को दिया संदेश, कहा- पहले दे सुरक्षा की गारंटी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने गुरुवार (स्थानीय समय) को कहा कि तेहरान केवल मौजूदा गतिरोध को खत्म करने के लिए वाशिंगटन के साथ कोई समझौता स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी समझौते में ईरान के राष्ट्रीय हितों की रक्षा होनी चाहिए और भविष्य में फिर से संघर्ष न होने का आश्वासन मिलना चाहिए। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के सरकारी अखबार को दिए एक साक्षात्कार में अराघची ने कहा कि तेहरान मौजूदा न युद्ध, न शांति वाली स्थिति में बने रहने के बजाय एक अच्छा, सम्मानजनक और स्थायी समझौता चाहता है। वाशिंगटन के साथ किसी भी संभावित समझौते के टिकाऊपन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, आज कोई समझौता करने का क्या फायदा, अगर दो महीने बाद ही उसका उल्लंघन हो जाए और फिर से युद्ध शुरू हो जाए किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं करेगा अराघची ने बताया कि जून में हुए संघर्ष-विराम समझौते के महज 15 दिन बाद ही लड़ाई फिर से शुरू हो गई थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि तेहरान केवल मौजूदा स्थिति से बचने के लिए किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा, सिर्फ मौजूदा हालात से बचने के लिए हर समझौता स्वीकार करने लायक नहीं होता।

ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि कोई भी समझौता ऐसा होना चाहिए जो एक और युद्ध को रोके, और इसमें ऐसी कोई रियायत नहीं होनी चाहिए जिसे वाशिंगटन अपनी जीत के रूप में पेश कर सके। परमाणु मुद्दे पर, अराघची ने कहा कि ईरान 60 प्रतिशत तक संवर्धित यूरेनियम के अपने भंडार को लेकर बातचीत के जरिए समाधान निकालने के लिए तैयार है, लेकिन उन्होंने इस सामग्री को देश के बाहर भेजने की संभावना को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ईरान के परमाणु संवर्धन पर एक उचित फॉर्मूला निकाला जा सकता है, लेकिन साथ ही जोर दिया कि इस मुद्दे को अन्य मांगों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। इसे एक व्यापक समझौते का हिस्सा होना चाहिए, जो ईरान के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करे।

लॉरेंस के करीबी गोल्डी पर यूएस ने कसा शिकंजा, एफबीआई ने घोषित किया मोस्ट वांटेड भगोड़ा, रखा 9 करोड़ का इनाम

वाशिंगटन, एजेंसी। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ की तलाश में अमेरिका और कनाडा की जांच एजेंसियों ने शिकंजा कस दिया है। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआ ने उसे अपनी टॉप 10 मोस्ट वांटेड भगोड़े की सूची में शामिल किया है। वहीं, कनाडा ने भी हाल ही में उसे देश के 25 सबसे वांछित भगोड़ों की सूची में शीर्ष स्थान पर रखा है। एफबीआई ने गोल्डी बराड़ की सूचना देने वाले को 10 लाख अमेरिकी डॉलर (9.26 करोड़ रुपये) तक का इनाम देने की घोषणा की है। वहीं, कनाडा में उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने पर 2.5 लाख कनाडाई डॉलर तक का इनाम घोषित किया गया है।

एफबीआई ने 28 सितंबर 2026 को सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ को अपनी मोस्ट



वांटेड सूची में शामिल किया था। वह इस सूची में शामिल होने वाला 543वां भगोड़ा है। अमेरिकी एजेंसी के मुताबिक, बराड़ लॉरेंस बिश्नोई संगठित अपराध गिरोह का उत्तरी अमेरिका में कथित प्रमुख है। इस गिरोह पर अमेरिका और कनाडा में कई हिंसक अपराधों में शामिल होने के आरोप हैं। एफबीआई के अनुसार, इन अपराधों में राजनीतिक और धार्मिक हस्तियों की लक्षित हत्याएं, गोलीबारी, हत्या, अपहरण, जबरन वसूली, हमले और मादक पदार्थों व हथियारों की तस्करी शामिल हैं। अमेरिकी एजेंसी ने बराड़ को बेहद खतरनाक और हथियारबंद बताया है। अमेरिका में किन मामलों में गोल्डी पर केस दर्ज एफबीआई के मुताबिक, गोल्डी बराड़ के खिलाफ अमेरिका की संघीय अदालत में कई गंभीर आरोप दर्ज हैं। इनमें संगठित अपराध गिरोह चलाने की साजिश, जबरन वसूली के लिए साजिश और मादक पदार्थों के वितरण की साजिश शामिल है। अमेरिकी जांच एजेंसी ने बताया कि सात जुलाई 2026 को ऑपरेशन हार्डबॉल के तहत तीन अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध गिरोहों से जुड़े 37 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए गए थे। इनमें लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ से जुड़े गिरोह के सदस्य भी शामिल हैं। एफबीआई के अनुसार, बिश्नोई गिरोह का नेटवर्क कई देशों में फैला हुआ है। इस गिरोह पर अमेरिका में भी हिंसक गतिविधियों, जबरन वसूली और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होने के आरोप हैं। कनाडा ने टॉप-25 वांछितों की सूची में पहले स्थान पर क्यों रखा इससे पहले 19 नवंबर को कनाडा के बोलो प्रोग्राम ने देश के 25 सबसे वांछित भगोड़ों की नई सूची जारी की थी। इसमें गोल्डी बराड़ को पहले स्थान पर रखा गया। कनाडा के विनिपेग पुलिस विभाग ने उसकी गिरफ्तारी में मददगार सूचना देने वाले को 2.5 लाख कनाडाई डॉलर तक का इनाम देने की घोषणा की है। यह इनाम कनाडा या अमेरिका में उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने पर मिलेगा। इसकी समयसीमा दो नवंबर 2027 तक है।

यूएनएससी में गतिरोध बरकरार- अगले महासचिव के नाम पर नहीं बनी बात, जानें क्या बात बन रही बाधा

अल्बानी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में नए महासचिव के चुनाव को लेकर गतिरोध जारी है। कार्यभार संभालने में अब सिर्फ 40 दिन बचे हैं। लेकिन एंटोनियो गुटेरेस के उत्तराधिकारी के नाम पर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। वर्तमान महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है।

उससे पहले नए महासचिव के नाम को अंतिम रूप देने के लिए सुरक्षा परिषद ने गुप्त मतदान और अनौपचारिक परामर्श की प्रक्रिया आगे बढ़ानी होगी। शुक्रवार को कार्उंसिल के अनौपचारिक मतदान में यूएनसीटीएडी प्रमुख रेबेका ग्रिनस्पैन सबसे आगे थीं, लेकिन उन्हें वीटो का अधिकार रखने



वाले दो स्थायी सदस्यों के विरोध का सामना करना पड़ा, जो उनके चुनाव में एक बाधा बन गया। कुल मिलाकर, कोस्टा रिका की रहने वालीं ग्रिनस्पैन को दस सकारात्मक वोट मिले। वह आठ उम्मीदवारों में अकेली ऐसी थीं, जिन्होंने नौ वोटों की जरूरी सीमा को पार किया। यह नौवां गुप्त मतदान था, जिसमें स्थायी सदस्यों की पहचान करने के लिए अलग-अलग रंगों वाले मतपत्रों का इस्तेमाल किया गया था। हालांकि गुयाना की पूर्व विदेश मंत्री कैरोलिन रोड्रिग्स-बर्किट चौथे स्थान पर रहीं, लेकिन उन्हें स्थायी सदस्यों की ओर से केवल दो नकारात्मक वोट मिले, जबकि कुल मिलाकर उन्हें छह सकारात्मक वोट प्राप्त हुए। अर्जेंटीना से ताल्लुक रखने वाले इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख आठ सकारात्मक और तीन नकारात्मक वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। संयुक्त अरब अमीरात की राज्य मंत्री लाना नुसैबेह सात सकारात्मक वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं, लेकिन उन्हें भी स्थायी सदस्यों से तीन नकारात्मक वोट मिले। अमेरिका के स्थायी प्रतिनिधि माइक वाल्ट्ज ने उन उम्मीदवारों से दौड़ से बाहर होने को कहा, जिन्हें बहुत कम समर्थन मिल रहा है। मतदान से पहले उन्होंने कहा, अगर उन्हें पर्याप्त समर्थन नहीं मिल रहा है, तो शायद अब समय आ गया है कि वे पीछे हट जाएं, ताकि काउंसिल उन उम्मीदवारों पर विचार कर सके जिन्हें कुछ हद तक समर्थन मिल रहा है। चूंकि यह मतदान गुप्त था, इसलिए यह पता नहीं चल सका कि किन स्थायी सदस्यों ने नकारात्मक वोट दिए। लैटिन अमेरिका और कैरेबियन देशों ने मांग की है कि अगला महासचिव इसी क्षेत्र से होना चाहिए। 1991 में जेवियर पेरेज डी कुएलर का कार्यकाल खत्म होने के बाद से, इस क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति ने यह पद नहीं संभाला है। उस बात को 35 साल बीत चुके हैं।

अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाया तो खैर नहीं, एफबीआई चीफ की साइबर अपराधियों को दो टूक

वाशिंटन, एजेंसी। अमेरिकी वित्तीय और कॉर्पोरेट तंत्र पर बढ़ते साइबर हमलों और तकनीकी रुकावटों के बीच सुरक्षा एजेंसियों ने आक्रामक रुख अपना लिया है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल ने अमेरिकी नागरिकों और व्यवसायों को निशाना बनाने वाले साइबर अपराधियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई ने साइबर खतरों के खिलाफ वैश्विक स्तर पर ऑपरेशन विंटर शील्ड शुरू करने का एलान किया है।

क्या है एफबीआई का ऑपरेशन विंटर शील्ड : एफबीआई निदेशक काश पटेल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि ऑपरेशन विंटर शील्ड का मकसद देश के साइबर डिफेंस को मजबूत करना और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के सहयोग से व्यापारिक प्रतिष्ठानों, सरकारी प्रणालियों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा करना है। पटेल ने कहा, ÷राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई दुनिया भर के साइबर अपराधियों के खिलाफ सीधी कार्रवाई कर रही है। हमारा संदेश बिल्कुल साफ है- यदि आप अमेरिकी लोगों को निशाना बनाएंगे, तो कानून आपको ढूंढ निकालेगा। साइबर नीति के शीर्ष नेतृत्व में क्या बदलाव हुए हैं साइबर सुरक्षा को लेकर यह अमेरिका का यह आक्रामक रुख ऐसे समय में सामने आया है जब ट्रंप प्रशासन ने अपने साइबर सुरक्षा नेतृत्व में बड़ा फेरबदल किया है।

नई नियुक्ति- व्हाइट हाउस ने कर्स्टन ए. डेविस को ऑफिस ऑफ द नेशनल साइबर डायरेक्टर का कार्यवाहक प्रमुख नियुक्त किया है। स्थायी पद के लिए अमेरिकी सीनेट की मंजूरी जरूरी होने के कारण डेविस फिलहाल कार्यवाहक रूप में जिम्मेदारी संभालेंगी।

पूर्व निदेशक का कार्यकाल : डेविस ने सीन केर्नक्रॉस का स्थान लिया है, जो अगस्त 2025 से संघीय साइबर सुरक्षा नीति और रणनीति की देखरेख कर रहे थे।

प्रशासनिक प्रतिक्रिया : अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने डेविस की नियुक्ति का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया पर कहा कि वह अमेरिका की साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए मिलकर काम करने को उत्सुक हैं।

जेपी मॉर्गन चेस के ग्राहकों का डेटा कैसे हुआ प्रभावित : अमेरिकी वित्तीय क्षेत्र में साइबर लचीलेपन (साइबर रेजिलिएंस) को लेकर चिंताएं उस वक्त और बढ़ गईं जब देश के सबसे बड़े बैंकों में शामिल जेपी मॉर्गन चेस ने अपने तीसरे पक्ष के सेवा प्रदाताओं (थर्ड-पार्टी वेंडर्स) पर साइबर हमले का खुलासा किया। इस हमले में बैंक के लगभग 16,000 सबसे धनी ग्राहकों की व्यक्तिगत जानकारी प्रभावित होने की आशंका है। यह लीक बैंक के विशेष रिजर्व प्रोग्राम से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है, जो निमंत्रण-आधारित वीजा क्रेडिट कार्ड है और जिसके लिए आम तौर पर प्रबंधन के तहत एक करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्ति होना आवश्यक होता है।

अमेरिका में हैकर्स का फिर हमला- एफबीआई के आपराधिक रिकॉर्ड्स में दूसरी बार लगी सेंध, जानें यह कितना खतरनाक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और डेटा सुरक्षा तंत्र को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के सबसे महत्वपूर्ण नेशनल क्राइम इंफॉर्मेशन सेंटर डेटाबेस में सेंधमारी का गंभीर मामला सामने आया है। हाल के महीनों में देश के अपराध रिकॉर्ड को निशाना बनाने वाली यह दूसरी बड़ी साइबर सुरक्षा घटना है। यह हैक ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी प्रशासन बैंकिंग और बुनियादी ढांचा प्रणालियों में आई तकनीकी रुकावटों के बाद सार्वजनिक विश्वास बहाल करने में जुटा हुआ था।

नवीनतम सेंधमारी ने एफबीआई के जिस देशव्यापी आपराधिक सूचना डेटाबेस को निशाना बनाया है, वह पूरे अमेरिकी कानून प्रवर्तन तंत्र के लिए जीवन रेखा के समान है।

संवेदनशील रिकॉर्ड : इसमें फरार अपराधियों (भगोड़ों), चोरी की संपत्तियों, अदालती वारंटों, बैकग्राउंड वेरिफिकेशन और अन्य गंभीर आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी अत्यंत संवेदनशील जानकारी सुरक्षित रहती है।

सूचना तंत्र पर असर : जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इस ब्रीच के चलते संघीय, राज्य और स्थानीय एजेंसियों के बीच महत्वपूर्ण सूचनाओं के सुरक्षित आदान-प्रदान में बड़ी बाधा उत्पन्न होने की आशंका है। ताजा साइबर ब्रीच पर एफबीआई निदेशक की



क्या प्रतिक्रिया रही एफबीआई अधिकारियों को इस नई साइबर सुरक्षा घटना की जानकारी मिलने के बाद, एजेंसी के निदेशक कश पटेल फॉक्स न्यूज पर सामने आए। पटेल ने एफबीआई के साइबर सुरक्षा कार्यों का बचाव करते हुए एक ऐसे ऑपरेशन पर विस्तार से बात की, जो वास्तव में महीनों पहले ही पूरा हो चुका था। इसका मुख्य उद्देश्य कंपनियों के सिस्टम अपडेट करवाना और हैकर्स को संवेदनशील डेटा तक पहुँचने से रोकना था। ऑपरेशन विंटर शील्ड का उल्लेख- पटेल ने ऑपरेशन विंटर शील्ड का ज़िक्र इस तरह किया मानो वह कार्रवाई वर्तमान में भी सक्रिय हो। प्रशासनिक नीतियों का बचाव- उन्होंने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा हेतु सिस्टम अपडेट करने के लिए मौजूदा प्रशासन की सराहना की और तर्क दिया कि पूर्ववर्ती प्रशासन भी ये तकनीकी सुधार कर सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। भर्ती वेबसाइट पर हमला- इसी वर्ष सितंबर में शाइनीहंटर्स नामक हैकर समूह ने एफबीआई की भर्ती (जॉब) वेबसाइट को निशाना बनाया था, जिसमें एजेंसी कर्मचारियों का संवेदनशील व्यक्तिगत डेटा चोरी हुआ था। इस मामले में एक कनाडाई साइबर सुरक्षा शोधकर्ता और लेखक को गिरफ्तार भी किया गया है। कर्मचारियों का असंतोष- उस हमले के बाद कई कर्मचारियों में रोष था क्योंकि उन्हें समय पर यह तक स्पष्ट नहीं किया गया था कि उनका व्यक्तिगत डेटा चोरी हुआ है या नहीं, और पीड़ितों को दिए गए सुरक्षा संसाधन भी नाकाफी थे।

न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस हैक (2023): इससे पहले वर्ष 2023 में हैकर्स ने एफबीआई के न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस के कंप्यूटर सिस्टम में सेंध लगाई थी, जिसका इस्तेमाल बाल यौन शोषण मामलों और जेफरी एपस्टीन जांच से जुड़ी फाइलों को रखने के लिए किया जाता था।

वित्तीय और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए क्या हैं खतरे : एफबीआई डेटाबेस में यह ताजा सेंधमारी ऐसे नाजुक मोड़ पर सामने आई है, जब अमेरिकी संस्थाएं व्यापक तकनीकी संकट से जूझ रही हैं। हाल के दिनों में प्रमुख बैंकों, राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए) और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के हवाई यातायात नियंत्रण प्रणालियों में भारी तकनीकी रुकावटें (आउटेज) दर्ज की गई हैं।

सम्पादकीय

पंजाब में भाजपा-अकाली दल का गठबंधन



शरद कटियार
सम्पादक/संस्थापक
यूथ इण्डिया
youthindianews@gmail.com

पंजाब की राजनीति में एक बार फिर नए सियासी समीकरण बनते दिखाई दे रहे हैं। आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने साथ मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गठबंधन की घोषणा करते हुए स्पष्ट किया कि दोनों दल मिलकर पंजाब के चुनावी मैदान में उतरेंगे। इस राजनीतिक समझौते को राज्य की आगामी चुनावी राजनीति के लिहाज से अहम घटनाक्रम माना जा रहा है।

गठबंधन की घोषणा के साथ ही पंजाब में राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की उम्मीद है। दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए दोनों दलों ने अपने राजनीतिक तालमेल का संदेश दिया। इस घोषणा से यह संकेत मिला है कि भाजपा और अकाली दल राज्य में अलग-अलग चुनाव लड़ने के बजाय साझा रणनीति के तहत मतदाताओं के बीच जाने की तैयारी कर रहे हैं। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच भी इस फैसले को लेकर उत्सुकता बढ़ी है।

इस गठबंधन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू पंजाब को नशे की समस्या से बाहर निकालने का संकल्प है। अमित शाह ने कहा कि नशामुक्त पंजाब बनाना दोनों दलों का प्रमुख लक्ष्य रहेगा। राज्य में नशीले पदार्थों की समस्या लंबे समय से सामाजिक और राजनीतिक चिंता का विषय रही है। इसका असर विशेष रूप से युवाओं, परिवारों और ग्रामीण समाज पर देखने को मिलता है। ऐसे में नशे के कारोबार पर रोक लगाना, इसकी आपूर्ति व्यवस्था को कमजोर करना और नशे की गिरफ्त में आए लोगों के पुनर्वास के लिए प्रभावी कदम उठाना किसी भी सरकार के सामने बड़ी जिम्मेदारी होगी।

नशे के मुद्दे के साथ-साथ गठबंधन के सामने रोजगार, शिक्षा, कृषि, उद्योग और कानून-व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण सवाल भी होंगे। पंजाब की अर्थव्यवस्था में कृषि की बड़ी भूमिका है, इसलिए किसानों की आय, खेती की लागत, फसलों के उचित मूल्य और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना चुनावी चर्चा के प्रमुख विषय बन सकते हैं। इसके अलावा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना और उन्हें बेहतर शिक्षा तथा कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराना भी राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण चुनौती होगी।

भाजपा और अकाली दल का पुराना राजनीतिक संबंध रहा है। दोनों दल पहले भी लंबे समय तक गठबंधन में रहकर पंजाब की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। हालांकि, समय के साथ उनके संबंधों में बदलाव आया और दोनों ने अलग-अलग राजनीतिक रास्ते भी अपनाए। अब फिर से साथ आने की घोषणा ने राज्य की राजनीति में पुराने गठबंधन की वापसी और नए चुनावी समीकरणों को लेकर चर्चा शुरू कर दी है।

हालांकि, गठबंधन की सफलता केवल घोषणा तक सीमित नहीं रहेगी। दोनों दलों को सीटों के बंटवारे, उम्मीदवारों के चयन, चुनाव प्रचार की जिम्मेदारियों और साझा घोषणापत्र जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनानी होगी। दोनों पार्टियों का अपना अलग संगठनात्मक आधार और राजनीतिक प्राथमिकताएं हैं। ऐसे में चुनावी रणनीति तैयार करते समय दोनों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखना जरूरी होगा।

राजनीतिक दृष्टि से यह गठबंधन पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव के मुकाबले को नया स्वरूप दे सकता है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि दोनों दल अपने पुराने समर्थक आधार को किस तरह एकजुट करते हैं और नए मतदाताओं तक अपनी बात कैसे पहुंचाते हैं। गठबंधन को जनता के सामने केवल राजनीतिक समझौते के रूप में नहीं, बल्कि राज्य की समस्याओं के समाधान से जुड़ी ठोस योजना के रूप में प्रस्तुत करना होगा।

प्रधान संपादक

सफलता से बढ़कर है जीवन की सार्थकता, उपलब्धियों के साथ दूसरों के लिए भी कुछ करने का रखें संकल्प

यूथ इंडिया

मनुष्य के जीवन में सफलता को हमेशा महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। हर व्यक्ति चाहता है कि वह अपने जीवन में कुछ बड़ा हासिल करे, उसकी अलग पहचान बने और उसकी मेहनत को सम्मान मिले। कोई शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहता है, तो कोई विज्ञान, व्यापार, कला या किसी अन्य क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय देना चाहता है। इन सपनों को पूरा करने के लिए लोग वर्षों तक मेहनत करते हैं। लेकिन इस दौड़ के बीच एक सवाल अक्सर पीछे छूट जाता है कि क्या केवल बड़ी उपलब्धियां हासिल कर लेना ही जीवन की वास्तविक सफलता है, या फिर जीवन का कोई ऐसा उद्देश्य भी होना चाहिए, जो हमारी उपलब्धियों को दूसरों के लिए उपयोगी बनाए?

दरअसल, सफलता और सार्थकता दोनों एक-दूसरे से जुड़ी होने के बावजूद अलग-अलग अर्थ रखती हैं। सफलता बताती है कि किसी व्यक्ति ने अपने प्रयासों से कितना कुछ प्राप्त किया, जबकि सार्थकता यह निर्धारित करती है कि उसकी उपलब्धियों से समाज और मानवता को कितना लाभ पहुंचा। किसी व्यक्ति के पास धन, पद, प्रतिष्ठा और ज्ञान की कोई कमी न हो, लेकिन यदि उसका उपयोग केवल निजी स्वार्थ तक सीमित है, तो उसके जीवन की उपलब्धियों का सामाजिक महत्व सीमित रह जाता है। इसके विपरीत, साधारण परिस्थितियों में रहने वाला व्यक्ति भी अपने अच्छे विचारों, व्यवहार और सेवाभाव से अनेक लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है।

विज्ञान के क्षेत्र में भी यही सिद्धांत दिखाई देता है। किसी वैज्ञानिक की महानता केवल उसकी खोजों या पुरस्कारों से तय नहीं होती, बल्कि इस बात से भी निर्धारित होती है कि उसके अनुसंधान ने मानव जीवन को कितना बेहतर बनाया। टेलीफोन के आविष्कार से जुड़ा उदाहरण इस विचार को समझने में मदद करता है। ध्वनि को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने की जिज्ञासा और सुनने में कठिनाई का व्यक्तिगत अनुभव वैज्ञानिक खोज की प्रेरणा बन सकता है। लगातार प्रयोग, असफलताओं से सीखने और नए विचारों को परखने की प्रक्रिया से ऐसे आविष्कार जन्म लेते हैं, जो पूरी दुनिया के संचार का तरीका बदल देते हैं।

किसी भी बड़ी उपलब्धि के पीछे केवल प्रतिभा ही नहीं, बल्कि धैर्य, निरंतर अभ्यास और सीखने की इच्छा भी होती है। कई बार व्यक्ति को अपने लक्ष्य तक पहुंचने में वर्षों लग जाते हैं। इस दौरान असफलताएं मिलती हैं, परिस्थितियां कठिन होती हैं और कई बार अपने निर्णयों पर दोबारा विचार करना पड़ता है। लेकिन जो व्यक्ति इन अनुभवों को अपनी कमजोरी मानने के बजाय सीखने का अवसर समझता है, वह आगे बढ़ने की क्षमता विकसित करता है। इसलिए सफलता को जीवन का अंतिम पड़ाव मानने के बजाय उसे एक नई शुरुआत के रूप में देखना चाहिए।

अक्सर देखा जाता है कि कोई बड़ा मुकाम हासिल करने के बाद व्यक्ति स्वयं को पूर्ण मानने लगता है। उसे लगता है कि अब सीखने या कुछ नया करने के लिए शेष नहीं रहा। यही सोच आगे की संभावनाओं को सीमित कर सकती है। वास्तविक विकास तब होता है, जब उपलब्धि मिलने के बाद भी व्यक्ति के भीतर जिज्ञासा बनी रहती है। नई तकनीक, नए विचार और नए अनुभव उसे लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। जीवन की सार्थकता केवल मंजिल प्राप्त करने में नहीं, बल्कि पूरी यात्रा के दौरान सीखते रहने और अपने अनुभवों को बेहतर बनाने में भी छिपी होती है।

जीवन को अर्थपूर्ण बनाने के लिए यह जरूरी नहीं कि हर व्यक्ति कोई महान आविष्कार करे या बहुत बड़ा पद प्राप्त करे। अपने परिवार के प्रति जिम्मेदारी निभाना, जरूरतमंदों की सहायता करना, बच्चों को अच्छी शिक्षा देना, पर्यावरण की रक्षा करना और समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना भी महत्वपूर्ण योगदान हैं। कई बार हमारा छोटा-सा प्रयास किसी दूसरे व्यक्ति के लिए बड़ी उम्मीद बन जाता है। किसी की परेशानी में साथ देना, किसी को सही दिशा दिखाना या अपने ज्ञान को दूसरों के साथ साझा करना भी जीवन को सार्थक बनाने के तरीके हैं।

आज के प्रतिस्पर्धी दौर में जहां सफलता को अक्सर धन, पद, लोकप्रियता और सामाजिक प्रतिष्ठा के पैमाने पर मापा जाता है, वहां जीवन के वास्तविक उद्देश्य को समझना और भी जरूरी हो गया है। हमें अपनी महत्वाकांक्षाओं को छोड़ने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि उनके साथ मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक जिम्मेदारियों को भी महत्व देना चाहिए। हमारी उपलब्धियां तभी व्यापक अर्थ प्राप्त करती हैं, जब उनसे केवल हमारा नहीं, बल्कि दूसरों का जीवन भी बेहतर बनता है।

अंततः जीवन की असली उपलब्धि केवल यह नहीं है कि हमने कितनी ऊंचाई प्राप्त की, बल्कि यह भी है कि उस ऊंचाई तक पहुंचकर हमने कितने लोगों के लिए रास्ता आसान बनाया। सफलता हमें पहचान दिला सकती है, लेकिन हमारे कर्म, विचार और दूसरों के प्रति हमारा व्यवहार ही उस पहचान को स्थायी अर्थ देते हैं। इसलिए जीवन में बड़े सपने जरूर देखें, मेहनत से अपने लक्ष्य हासिल करें, लेकिन अपनी उपलब्धियों को ही अंतिम मंजिल न मानें। निरंतर सीखने, दूसरों की सहायता करने और समाज के हित में योगदान देने का भाव बनाए रखें। यही दृष्टिकोण सफलता को सार्थकता में बदलता है और जीवन को वास्तविक अर्थ प्रदान करता है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर सरकारी दावों की खुली पोल

यूथ इंडिया

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की समस्या अब किसी एक मौसम या कुछ दिनों तक सीमित रहने वाली चुनौती नहीं रह गई है। हर साल सर्दियों की शुरुआत होते ही राजधानी और आसपास के इलाकों की हवा जहरीली होने लगती है। सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आम हो जाती हैं। इसके बावजूद प्रदूषण के मूल कारणों पर पूरे साल प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। सर्दियों में जब वायु गुणवत्ता बेहद खराब हो जाती है, तब सरकारी विभाग सक्रिय दिखाई देते हैं, लेकिन मौसम सामान्य होते ही इस दिशा में अपेक्षित गंभीरता नजर नहीं आती। यही वजह है कि प्रदूषण की समस्या हर वर्ष दोबारा विकराल रूप धारण कर लेती है।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की ओर से दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से जुड़े राज्यों के जनवरी से अक्तूबर तक के प्रदूषण नियंत्रण प्रयासों की समीक्षा इस व्यवस्था की कई कमजोरियों को उजागर करती है। रिपोर्ट बताती है कि प्रदूषण रोकने के लिए निर्धारित लक्ष्यों और वास्तविक उपलब्धियों के बीच काफी अंतर है। तुलनात्मक प्रदर्शन में उत्तर प्रदेश के बाद पंजाब, हरियाणा और राजस्थान का स्थान है, जबकि दिल्ली अपेक्षाकृत पीछे दिखाई देती है। यह स्थिति बताती है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए बनाई गई योजनाओं को जमीन पर उतारने में अब भी कई व्यावहारिक बाधाएं मौजूद हैं।

रिपोर्ट का सबसे चिंताजनक पक्ष औद्योगिक इकाइयों की निगरानी से संबंधित है। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में इस वर्ष 11,607 औद्योगिक निरीक्षण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन 31 अक्तूबर तक केवल 2,584 निरीक्षण ही हो सके। यह कुल लक्ष्य का एक चौथाई भी नहीं है। औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला धुआं और हानिकारक उत्सर्जन वायु प्रदूषण के प्रमुख कारणों में शामिल हैं। ऐसे में नियमित निरीक्षण और नियमों का उल्लंघन करने वाली इकाइयों पर कार्रवाई बेहद जरूरी है। केवल दिशा-निर्देश जारी करने से प्रदूषण पर नियंत्रण नहीं पाया जा सकता। इसके लिए निगरानी व्यवस्था को मजबूत करना और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करना आवश्यक है।

वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का विस्तार भी महत्वपूर्ण है। यदि लोगों को सुविधाजनक, सुरक्षित और समय पर बस सेवाएं उपलब्ध हों, तो निजी वाहनों पर निर्भरता कम की जा सकती है। लेकिन रिपोर्ट में इस मोर्चे पर भी अपेक्षित प्रगति दिखाई नहीं देती। दिल्ली ने नई बसें शामिल करने के अपने लक्ष्य का लगभग 71 प्रतिशत हासिल किया, जबकि हरियाणा में यह उपलब्धि केवल आठ प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 44 प्रतिशत रही। यह अंतर बताता है कि अलग-अलग राज्यों में सार्वजनिक परिवहन को लेकर प्रयासों की गति एक जैसी नहीं है। बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या को देखते हुए बस सेवाओं का विस्तार अब प्राथमिकता बनना चाहिए।

शहरी नियोजन और कचरा प्रबंधन की स्थिति भी गंभीर ध्यान देने की मांग करती है। पार्किंग स्थलों के निर्माण के मामले में उत्तर प्रदेश ने 24 के निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले 21 पार्किंग स्थल तैयार करके अपेक्षाकृत बेहतर प्रगति दिखाई है। इसके विपरीत पांचों क्षेत्रों में 421 हरित शवदाह गृह बनाने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन अक्तूबर के अंत तक एक भी तैयार नहीं हो पाया। यह स्थिति योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही और प्रशासनिक सुस्ती की ओर संकेत करती है। इसी तरह कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण, खुले में कचरा जलाने पर रोक और निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल को नियंत्रित करने के लिए भी लगातार निगरानी जरूरी है।

प्रदूषण की समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसका प्रभाव किसी राज्य की सीमा तक सीमित नहीं रहता। दिल्ली की हवा पर आसपास के राज्यों की गतिविधियों का भी असर पड़ता है। पंजाब में पराली जलाने की घटनाएं, हरियाणा की औद्योगिक गतिविधियां और उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान में निर्माण कार्यों एवं परिवहन से होने वाला उत्सर्जन पूरे क्षेत्र की वायु गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

किताबों से दोस्ती का दिमाग पर असर

भरत चतुर्वेदी

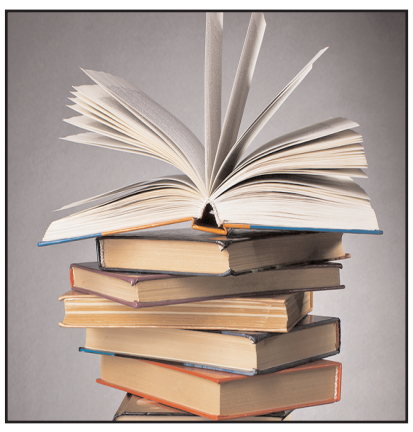

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपना अधिकतर समय मोबाइल, सोशल मीडिया और डिजिटल मनोरंजन पर बिताते हैं। ऐसे में किताबें पढ़ने की आदत धीरे-धीरे कम होती जा रही है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रोजाना केवल आधे घंटे किताब पढ़ना आपके मस्तिष्क के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है? पढ़ना सिर्फ खाली समय बिताने या जानकारी हासिल करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह दिमाग को सक्रिय रखने, विचारों को विकसित करने और भावनात्मक समझ को बेहतर बनाने का प्रभावी तरीका भी है। विभिन्न शोधों से पता चला है कि नियमित रूप से पढ़ने वाले लोगों में दूसरों की भावनाओं को समझने और उनके साथ बेहतर तालमेल बनाने की क्षमता अधिक हो सकती है।

चार हजार से अधिक वयस्कों पर किए गए एक सर्वेक्षण में पढ़ने की आदत और सहानुभूति के बीच सकारात्मक संबंध सामने आया। सर्वे के अनुसार, नियमित रूप से किताबें पढ़ने वाले 64 प्रतिशत लोगों में दूसरों के प्रति गहरी सहानुभूति का भाव पाया गया। वहीं, कभी-कभार पढ़ने वालों में यह आंकड़ा 61 प्रतिशत और बिल्कुल नहीं पढ़ने वालों में 48 प्रतिशत रहा। खास बात यह है कि सप्ताह में केवल 30 मिनट पढ़ने वाले लोगों में भी दूसरों की भावनाओं को समझने की बेहतर क्षमता देखी गई। ब्रिटेन में हुए एक अन्य सर्वेक्षण में 41 प्रतिशत लोगों ने माना कि किताबें पढ़ने से उन्हें दूसरे लोगों के साथ अधिक जुड़ाव महसूस होता है। इससे स्पष्ट होता है कि पढ़ने की आदत केवल व्यक्तिगत ज्ञान तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सामाजिक संबंधों को समझने में भी मददगार हो सकती है।

किताब पढ़ते समय हमारा मस्तिष्क कई स्तरों पर सक्रिय रहता है। शब्दों को पहचानना, वाक्यों का अर्थ समझना, घटनाओं को याद रखना और पात्रों की परिस्थितियों की कल्पना करना दिमाग की अलग-अलग क्षमताओं को सक्रिय करता है। लगभग 40 ब्रेन इमेजिंग अध्ययनों के विश्लेषण में पाया गया कि बच्चों और वयस्कों में पढ़ने के दौरान ध्यान, भाषा की समझ और शब्दों की पहचान से जुड़ी मस्तिष्कीय गतिविधियां सक्रिय होती हैं। विशेष रूप से काल्पनिक कहानियां पढ़ते समय दिमाग का %डिफॉल्ट मोड नेटवर्क% सक्रिय हो सकता है। मस्तिष्क का यह नेटवर्क कल्पना, आत्मचिंतन और दूसरों की मानसिक स्थिति को समझने जैसी प्रक्रियाओं से जुड़ा है। जब हम किसी कहानी के पात्रों के अनुभवों और भावनाओं को समझने की कोशिश करते हैं, तो हमारी सामाजिक समझ को भी अभ्यास मिलता है।

कहानियों का महत्व केवल आधुनिक शोध तक सीमित नहीं है। फिलीपींस के अग्ता शिकारी-संग्राहक समुदायों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन समुदायों में अच्छे कहानीकार मौजूद थे, वहां आपसी सहयोग का स्तर अधिक था। इससे यह समझने में मदद मिलती है कि कहानियां मानव समाज में लंबे समय से ज्ञान, अनुभव और सामाजिक मूल्यों को साझा करने का माध्यम रही हैं। इनके जरिए लोग दूसरों के अनुभवों से सीखते हैं और अलग-अलग परिस्थितियों को समझने की क्षमता विकसित करते हैं। यही कारण है कि साहित्य और कहानियों को केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम भी माना जाता है।

बच्चों के लिए पढ़ने की आदत के फायदे विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो सकते हैं। दस हजार से अधिक बच्चों पर किए गए एक शोध में पाया गया कि आनंद के लिए नियमित रूप से किताबें पढ़ने वाले बच्चों का संज्ञानात्मक प्रदर्शन बेहतर था। उनमें मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार से जुड़ी समस्याएं भी अपेक्षाकृत कम पाई गईं। पढ़ने से बच्चों की शब्दावली विकसित होती है, भाषा पर पकड़ मजबूत होती है और किसी विषय पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है। इसके अलावा, कहानियों के माध्यम से वे अलग-अलग परिस्थितियों, संस्कृतियों और लोगों के अनुभवों से परिचित होते हैं। इससे उनके भीतर कल्पनाशीलता और संवेदनशीलता विकसित करने में मदद मिल सकती है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

कार्तिक पूर्णिमाः आस्था, अध्यात्म, संस्कृति और देव दीपावली का दिव्य संगम

सुनील कुमार वाजपेयी शिवम



भारतीय सनातन संस्कृति में कार्तिक मास को अत्यंत पवित्र, पुण्यदायी और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक माना गया है। इस मास की पूर्णिमा अर्थात कार्तिक पूर्णिमा का विशेष धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व है। यह तिथि केवल चंद्रमा की पूर्णता का उत्सव नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर आस्था, श्रद्धा, सद्भाव, सेवा और सदाचार के प्रकाश को प्रज्वलित करने का अवसर भी है। कार्तिक पूर्णिमा को देव दीपावली, त्रिपुरारी पूर्णिमा और रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। देश के विभिन्न हिस्सों में इसे अलग-अलग परंपराओं और मान्यताओं के साथ मनाया जाता है। यह पर्व भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता और आध्यात्मिक समरसता का अनुपम उदाहरण है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा का संबंध भगवान शिव, भगवान विष्णु और भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी अनेक दिव्य कथाओं से है।

मान्यता है कि इसी दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नामक दैत्य का वध करके देवताओं को उसके आतंक से मुक्ति दिलाई थी। त्रिपुरासुर के संहार के उपरांत समस्त देवताओं ने प्रसन्न होकर दीप प्रज्वलित किए और उत्सव मनाया। इसी कारण यह तिथि त्रिपुरारी पूर्णिमा और देव दीपावली के नाम से विख्यात हुई। भगवान विष्णु की उपासना के दृष्टिकोण से भी इस दिन का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु ने मत्स्य अवतार धारण किया था। वहीं भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं में इस तिथि को रासोत्सव से जोड़कर देखा जाता है। ब्रज क्षेत्र में रास पूर्णिमा का विशेष उल्लास रहता है। भक्तजन इस दिन श्रीकृष्ण की आराधना और रासलीला के माध्यम से प्रेम, समर्पण तथा भक्ति की अनुभूति करते हैं।

स्नान, दान और दीपदान की महिमा कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र नदियों, सरोवरों और तीर्थस्थलों में स्नान करने की प्राचीन परंपरा है। मान्यता है कि इस दिन प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व स्नान, ध्यान और भगवान का स्मरण करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। विशेष रूप से गंगा, यमुना, सरयू, गोमती, नर्मदा और अन्य पवित्र नदियों में स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। इस दिन अन्नदान, वस्त्रदान, गौसेवा, जरूरतमंदों की सहायता और दीपदान का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक दृष्टि से दान का वास्तविक उद्देश्य केवल पुण्य अर्जित करना नहीं, बल्कि समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के प्रति संवेदनशीलता तथा सहयोग की भावना विकसित करना है।

कार्तिक पूर्णिमा पर देव दीपावली का सबसे भव्य और आकर्षक आयोजन वाराणसी में देखने को मिलता है। काशी के गंगा घाटों पर लाखों दीपों का प्रज्वलन इस पर्व को वैश्विक पहचान प्रदान करता है। दशाश्वमेध घाट, अस्सी घाट, पंचगंगा घाट और राजघाट सहित गंगा के दोनों ओर के घाट दीपों की रोशनी से जगमगा उठते हैं। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा की रात्रि में देवता स्वयं स्वर्ग से उतरकर गंगा में स्नान करने और दीपोत्सव मनाने काशी आते हैं। इसीलिए इसे देवताओं की दीपावली कहा जाता है। घाटों पर होने वाली गंगा आरती, शंखनाद, घंटियों की गूंज, वैदिक मंत्रोच्चार और दीपों की मनोहारी छटा श्रद्धालुओं को अद्भुत आध्यात्मिक अनुभूति कराती है। काशी की देव दीपावली केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत, लोककला, संगीत, शिल्प और पर्यटन का भी महत्वपूर्ण उत्सव बन चुकी है।

ब्रजभूमि में कार्तिक पूर्णिमा को रास पूर्णिमा के रूप में विशेष श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी पावन रात्रि में भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों के साथ महारास रचाया था। यह महारास केवल नृत्य और संगीत का आयोजन नहीं, बल्कि जीवात्मा और परमात्मा के मिलन का आध्यात्मिक प्रतीक माना जाता है। वृंदावन, मथुरा, बरसाना और गोवर्धन में मंदिरों को सजाया जाता है। भजन-कीर्तन, रासलीला और धार्मिक आयोजनों के माध्यम से भक्त श्रीकृष्ण की प्रेममयी लीलाओं का स्मरण करते हैं। इस परंपरा में प्रेम, समर्पण, त्याग और आत्मिक आनंद का संदेश निहित है।

कार्तिक पूर्णिमा का दिन सिख धर्म के अनुयायियों के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसी दिन सिख धर्म के संस्थापक प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व मनाया जाता है। गुरुद्वारों में विशेष दीवान सजाए जाते हैं, गुरुवाणी का पाठ, कीर्तन, अरदास और लंगर आयोजित होते हैं। गुरु नानक देव जी ने मानवता, समानता, सत्य, सेवा और भाईचारे का संदेश दिया। उनका जीवन इस बात की प्रेरणा देता है कि मनुष्य की पहचान जाति, धर्म अथवा आर्थिक स्थिति से नहीं, बल्कि उसके कर्म और मानवीय व्यवहार से होती है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

किताबें पढ़ें, दिमाग को स्वस्थ और सक्रिय रखें



डॉ. विजय गर्ग

किताबें मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र मानी जाती हैं। वे न केवल हमें ज्ञान और जानकारी प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे विचारों, भावनाओं और व्यक्तित्व को भी समृद्ध बनाती हैं। जिस प्रकार शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पौष्टिक भोजन और नियमित व्यायाम की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार मस्तिष्क को स्वस्थ, सक्रिय और मजबूत बनाए रखने के लिए पढ़ना एक प्रभावशाली मानसिक अभ्यास है। किताबें पढ़ना केवल समय बिताने का साधन नहीं, बल्कि दिमाग को प्रशिक्षित करने और जीवन को बेहतर बनाने का एक सरल एवं उपयोगी तरीका है।

आज के डिजिटल युग में स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, वीडियो और इंटरनेट ने हमारी जीवनशैली को पूरी तरह बदल दिया है। कुछ ही सेकंड में हमें हजारों जानकारियां मिल जाती हैं, लेकिन लगातार छोटी-छोटी सूचनाओं को देखने और पढ़ने की आदत ने गहराई से सोचने तथा लंबे समय तक ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को प्रभावित किया है। ऐसे समय में किताबें पढ़ने की आदत का महत्व और भी बढ़ जाता है। पुस्तक पढ़ते समय व्यक्ति को किसी विषय पर ध्यान केंद्रित करना पड़ता है। वह शब्दों को समझता है, घटनाओं की कल्पना करता है और विचारों के बीच संबंध स्थापित करता है। इससे मस्तिष्क को सक्रिय रखने में सहायता मिलती है।

जिस प्रकार शारीरिक व्यायाम मांसपेशियों को मजबूत बनाता है, उसी प्रकार नियमित पढ़ना मस्तिष्क की विभिन्न क्षमताओं को सक्रिय रखने में मदद करता है। जब हम कोई कहानी, उपन्यास, जीवनी या वैज्ञानिक पुस्तक पढ़ते हैं, तो मस्तिष्क नए विचारों, शब्दों और परिस्थितियों को समझने का प्रयास करता है। यह प्रक्रिया भाषा, स्मरण शक्ति, कल्पनाशक्ति और तार्किक सोच को विकसित करने में सहायक होती है।

पढ़ते समय हमारा मस्तिष्क केवल शब्दों को पहचानता ही नहीं, बल्कि उनके अर्थ, संदर्भ और भावनाओं को भी समझता है। विशेष रूप से साहित्य और कहानियां पढ़ने से हम पात्रों की परिस्थितियों, संघर्षों और भावनाओं की कल्पना करते हैं। इससे हमारी समझ और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता विकसित हो सकती है।

किताबें पढ़ने का एक महत्वपूर्ण लाभ स्मरण शक्ति को सक्रिय बनाए रखना है। जब हम किसी कहानी या पुस्तक को पढ़ते हैं, तो उसके पात्रों, घटनाओं, स्थानों और विचारों को याद रखते हैं। आगे पढ़ते समय हमें पहले पढ़ी गई बातों को याद करना पड़ता है। यह अभ्यास मस्तिष्क को सूचनाओं को व्यवस्थित करने और उन्हें याद रखने का अवसर देता है।

इसके अलावा, पुस्तक पढ़ने से एकाग्रता विकसित करने में सहायता मिलती है। आज बहुत से लोग कुछ मिनटों तक भी किसी एक काम पर ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई महसूस करते हैं। बार-बार मोबाइल देखना और सूचनाओं के कारण ध्यान भटकना एक सामान्य समस्या बन गई है। इसके विपरीत, पुस्तक पढ़ने के लिए लगातार ध्यान देना पड़ता है। प्रतिदिन कुछ समय पढ़ने की आदत धीरे-धीरे ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को बेहतर बना सकती है। पढ़ना मानसिक तनाव को कम करने का एक अच्छा माध्यम भी हो सकता है। दिनभर की भागदौड़, काम का दबाव, पारिवारिक जिम्मेदारियां और भविष्य की चिंताएं मनुष्य को मानसिक रूप से थका देती हैं। ऐसे समय में कोई अच्छी पुस्तक पढ़ना मन को दूसरी दुनिया में ले जाता है। प्रेरणादायक साहित्य, कविताएं, कहानियां और आध्यात्मिक पुस्तकें मन को सुकून दे सकती हैं।

पढ़ने के लिए शांत वातावरण में कुछ समय निकालना व्यक्ति को अपनी व्यस्त दिनचर्या से विराम लेने का अवसर देता है। सोने से पहले मोबाइल के स्थान पर छपी हुई पुस्तक पढ़ना भी एक उपयोगी आदत हो सकती है। हालांकि, नींद की समस्या का समाधान केवल पढ़ने से नहीं होता, फिर भी शांत और नियमित पठन की दिनचर्या विश्राम में सहायक हो सकती है।

किताबें हमारी कल्पनाशक्ति को नए आयाम प्रदान करती हैं। जब हम किसी कहानी को पढ़ते हैं, तो उसके पात्रों, स्थानों और घटनाओं की तस्वीर अपने मन में बनाते हैं। लेखक द्वारा वर्णित परिस्थितियों को हम अपनी कल्पना से जीवंत करते हैं। यह प्रक्रिया रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करती है।

विज्ञान, इतिहास, भूगोल, साहित्य और जीवनी जैसी अलग-अलग विधाओं की पुस्तकें पढ़ने से हमें दुनिया को विभिन्न दृष्टिकोणों से देखने का अवसर मिलता है। एक वैज्ञानिक पुस्तक नई खोजों के प्रति जिज्ञासा जगाती है, इतिहास की पुस्तक अतीत से परिचित कराती है और किसी महान व्यक्ति की जीवनी संघर्ष तथा सफलता से प्रेरणा देती है।

उम्र बढ़ने के साथ शरीर की तरह मस्तिष्क की कार्यक्षमता में भी कुछ बदलाव आ सकते हैं। इसलिए जीवन के प्रत्येक चरण में मानसिक रूप से सक्रिय रहना महत्वपूर्ण है। पढ़ना, लिखना, पहेलियां हल करना, नई भाषा सीखना और नई जानकारियां प्राप्त करना मस्तिष्क को चुनौती देने वाली गतिविधियां हैं।

कुछ शोधों में नियमित पढ़ने जैसी मानसिक गतिविधियों का संबंध बेहतर संज्ञानात्मक स्वास्थ्य और उम्र बढ़ने के दौरान मानसिक क्षमताओं को बनाए रखने से पाया गया है। हालांकि, केवल किताबें पढ़ने से डिमेंशिया या अल्जाइमर जैसी बीमारियों को रोकने की गारंटी नहीं दी जा सकती, लेकिन सक्रिय जीवनशैली का यह एक अच्छा हिस्सा हो सकता है।

बचपन से ही किताबें पढ़ने की आदत विकसित करना बहुत आवश्यक है। इससे बच्चों की भाषा, शब्दावली, कल्पनाशक्ति, समझ और अभिव्यक्ति की क्षमता को बढ़ावा मिलता है। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें कहानियां, विज्ञान की पुस्तकें, बाल साहित्य, महापुरुषों की जीवनियां और ज्ञानवर्धक पुस्तकें भी उपलब्ध कराएं।

स्कूलों में पुस्तकालयों को अधिक सक्रिय बनाया जाना चाहिए। सप्ताह में एक निश्चित समय स्वतंत्र पठन के लिए निर्धारित किया जा सकता है। बच्चों को पुस्तक पढ़ने के बाद अपने विचार व्यक्त करने, कहानी सुनाने और पुस्तक की समीक्षा लिखने के अवसर मिलने चाहिए। इससे

कार्तिक पूर्णिमा पर गोमती और सई नदी में हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

जौनपुर

उत्तर प्रदेश के जौनपुर में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगलवार को गोमती और सई नदी के विभिन्न घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। सुबह भोर से ही स्नानार्थियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने सूर्यदेव को अर्घ्य दिया और घाटों के आसपास स्थित मंदिरों में दर्शन-पूजन कर ब्राह्मणों एवं जरूरतमंदों को दान किया।

सई और गोमती नदी के संगम स्थल राजेपुर त्रिमुहानी पर सबसे अधिक भीड़ रही। सूरज घाट और सिरकोनी ब्लॉक स्थित इस संगम पर करीब 50 हजार श्रद्धालुओं ने स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। श्रद्धालुओं ने रामेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन-पूजन और जलाभिषेक किया। यहां लगे मेले में पुरुषों ने प्रसिद्ध रेवड़ा खरीदा, महिलाओं ने श्रृंगार सामग्री और बच्चों ने खिलौनों की खरीदारी की। झूले और चरखों का भी बच्चों ने आनंद लिया। सुरक्षा के मद्देनजर मेला क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

नगर क्षेत्र में शाही पुल के समीप गोपी घाट, विसर्जन घाट, हनुमान घाट, केरारबीर, छोटी काशी और अचला देवी घाट पर भी सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। जलालपुर के उदपुर घाट पर भी सई-गोमती संगम में लोगों ने स्नान किया और मंदिर में दर्शन-पूजन के साथ अन्नदान किया।९

खुटहन के पिलकिछा तिलवारी घाट पर श्रद्धालुओं ने गोमती नदी में स्नान कर भगवान राम, लक्ष्मण, माता सीता और बजरंगबली के मंदिर में दर्शन किए। यहां प्रसिद्ध ऐतिहासिक साप्ताहिक मेले का भी शुभारंभ हुआ। यह मेला कृषि उपकरणों और मिट्टी के बर्तनों के लिए प्रसिद्ध है। वहीं केराकत के विजयीपुर घाट पर भी श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान कर मेले में खरीदारी की।

धार्मिक मान्यता के अनुसार राजेपुर त्रिमुहानी संगम का विशेष महत्व है। गोस्वामी तुलसीदास रचित रामचरितमानस में वर्णित चौपाई 'सई उतरि गोमती नहाए, चौथे दिवस अवधपुर आए' इस स्थल की धार्मिक महत्ता को दशार्ती है। मान्यता है कि भरतजी ने अयोध्या लौटते समय इसी स्थान पर स्नान किया था।

19वीं मंजिल से कूदकर 11वीं की छात्रा ने की आत्महत्या

नोएडा।

उत्तर प्रदेश के नोयडा थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के सेक्टर 100 स्थित लोटस बुलेवर्ड सोसाइटी में रहने वाली एक 11वीं कक्षा की छात्रा ने आज तड़के अपनी सोसाइटी के 19वीं मंजिल स्थित फ्लैट से कूदकर आत्महत्या कर लिया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना सेक्टर -39 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि सेक्टर 100 स्थित लोटस बुलेवर्ड सोसाइटी में रहने वाले अभिनव दुबे की 16 वर्षीय बेटी डिशिता दुबे ने 19वीं मंजिल स्थित अपने फ्लैट की बालकनी से मंगलवार सुबह 3 बजे के करीब छलांग लगा दिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर वहां पहुंची पुलिस ने जांच की तो पता चला की मृतका के परिजनों ने किसी बात को लेकर उसे डांट दिया था। इस बात से वह परेशान थी। वह एक नामी स्कूल से 11वीं कक्षा की पढ़ाई कर रही थी। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतका के पिता एडीडास कंपनी में वरिष्ठ अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। वह मूल रूप से लखनऊ के रहने वाले हैं। मृतका के मोबाइल फोन और परिवार के लोग से पूछताछ के आधार पर आत्महत्या के कारण कारण का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

यूपी में मोदी-योगी के नेतृत्व में कायम हुई शांति और सामाजिक समरसता : लाल सिंह आर्य

कानपुर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में शांति, सुरक्षा और सामाजिक समरसता का माहौल बना है। प्रदेश में दंगे बंद हुए हैं और अपराधियों में कानून का डर है। भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव में दो-तिहाई से अधिक बहुमत के साथ फिर सरकार बनाएगी। यह बातें सोमवार को कानपुर स्थित भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने पत्रकारों से बातचीत में कहीं।



उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सभी राजनीतिक दलों को अपने कार्यक्रम आयोजित करने और मोर्चा निकालने का अधिकार है, लेकिन जनता का भरोसा भाजपा और उसके नेतृत्व पर है। प्रदेश सरकार गरीब कल्याण की योजनाओं के जरिए समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए काम कर रही है। विपक्ष के भ्रष्टाचार संबंधी आरोपों पर उन्होंने इंडी गठबंधन और कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि इनके शासनकाल में पेपर लीक, परीक्षा घोटाले और भ्रष्टाचार की घटनाएं हुईं। समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सपा अपराधियों को संरक्षण देने वाली पार्टी रही है।

सपा और बसपा की ओर से दलित, ब्राह्मण और मुस्लिम समीकरण के सहारे 2027 का विधानसभा चुनाव जीतने की रणनीति पर लाल सिंह आर्य ने कहा कि किसी एक जाति के सहारे सत्ता हासिल नहीं की जा सकती। भाजपा को दलित, पिछड़े, ब्राह्मण, क्षत्रिय समेत सभी वर्गों और धर्मों का समर्थन मिल रहा है। पार्टी सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र के साथ काम कर रही है।

सपा सरकार के कार्यकाल में बनाए गए स्कूलों और अन्य योजनाओं को आगे बढ़ाने के सवाल पर उन्होंने अखिलेश यादव पर निशाना साधा। कहा कि अगर सपा ने अपने समय में शुरू किए गए स्कूलों और कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया होता तो जनता उसे चुनाव में नहीं हराती। जनता को शिक्षा के साथ शांति, सुरक्षा और बेहतर जीवन भी चाहिए। विकास केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि सभी क्षेत्रों में काम करना जरूरी है।

केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने कहा कि देश में रेलवे स्टेशनों का विकास किया जा रहा है। नए एयरपोर्ट बनाए जा रहे हैं और अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी प्रगति हो रही है। आत्मनिर्भर भारत की दिशा में लगातार काम हो रहा है। इसके साथ ही महर्षि वाल्मीकि, संत रविदास और डॉ. भीमराव आंबेडकर जैसी महान विभूतियों को सम्मान देने का काम किया जा रहा है।

भाजपा में टिकट वितरण और संगठन की एकजुटता पर उन्होंने कहा कि पार्टी किसी व्यक्ति के आधार पर नहीं, बल्कि विचारधारा पर चलती है। टिकट की घोषणा से पहले दावेदार अपनी बात रखते हैं, लेकिन प्रत्याशी घोषित होने के बाद सभी कार्यकर्ता और दावेदार पार्टी के उम्मीदवार को जिताने में जुट जाते हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा 2027 में दो-तिहाई से अधिक बहुमत हासिल कर प्रदेश में दोबारा सरकार बनाएगी।

लाल सिंह आर्य ने कांग्रेस और सपा पर दलितों के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने संत रविदास, कांशीराम और मायावती से जुड़े मुद्दों का जिक्र करते हुए विपक्ष पर दलित विरोधी राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का दलित समाज भाजपा के साथ मजबूती से खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में फिर बड़ी जीत दर्ज करेगी।

लखनऊ से मुंबई का सफर बना सजा : ट्रेनों में वेटिंग 181 के पार, कन्फर्म टिकट के लिए तरस रहे यात्री



लखनऊ

लखनऊ से मुंबई जाने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ के कारण वेटिंग लिस्ट 181 के पार पहुंच गई है। कई ट्रेनों में टिकट बुकिंग (रिग्रेट) तक बंद हो गई है। यात्रियों की इस बड़ी परेशानी को देखते हुए दैनिक यात्री एसोसिएशन ने रेलवे से इस रूट पर तीन जोड़ी नई नियमित ट्रेनें चलाने की मांग की है।

लखनऊ से मुंबई जाने वाली ट्रेनों में वेटिंग का आंकड़ा 181 तक पहुंच गया है। कई ट्रेनों में सीटें फुल होने के साथ वेटिंग टिकटों की बुकिंग भी बंद हो गई है। यात्रियों की बढ़ती संख्या और ट्रेनों में जगह की कमी को देखते हुए दैनिक यात्री एसोसिएशन ने इस रूट पर तीन जोड़ी नई नियमित ट्रेनें चलाने की मांग उठाई है।

दरअसल, लखनऊ और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में लोग रोजगार और नौकरी के सिलसिले में मुंबई आते-जाते हैं। फिलहाल पुष्पक एक्सप्रेस के अलावा उद्योगनगरी, एलटीटी एक्सप्रेस, अवध, कुशीनगर एक्सप्रेस समेत करीब एक दर्जन ट्रेनें इस रूट पर संचालित हो रही हैं। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, इन ट्रेनों से प्रतिदिन 20 से 25 हजार यात्री मुंबई रूट पर सफर करते हैं, जबकि उपलब्ध सीटों की संख्या करीब आठ हजार ही है। ऐसे में बड़ी संख्या में यात्रियों को जनरल टिकट लेकर सफर करना पड़ता है।

दिल्ली-मुंबई रेलखंड व्यस्ततम रूटों में शामिल

दैनिक यात्री एसोसिएशन के अध्यक्ष एसएस उप्पल का कहना है कि नई ट्रेनों के संचालन से यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। वहीं, रेलवे अधिकारियों का कहना है कि नई ट्रेनें चलाने के लिए पर्याप्त रैक उपलब्ध कराने के साथ उनके संचालन का शेड्यूल भी तय करना होगा।

क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर 24 लाख रुपए की ठगी

नोएडा।

उत्तर प्रदेश के नोयडा में क्रिप्टो करेंसी में निवेश कर मोटी रकम कमाने का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने एक व्यक्ति से 24 लाख रुपए की ठगी कर ली। पीड़ित ने आज घटना की रिपोर्ट थाना साइबर क्राइम में दर्ज कराई है।



पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि कुनाल गुप्ता निवासी सेक्टर 21 ने आज सुबह को साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि कुछ दिन पूर्व उनसे सोशल मीडिया के माध्यम से कुछ लोगों ने संपर्क किया तथा क्रिप्टोकरंसी में इन्वेस्ट करने के लिए उन्हें प्रेरित किया। आरोपियों ने उनको बताया कि एक वेबसाइट के माध्यम से क्रिप्टो करेंसी में इन्वेस्ट करने पर उन्हें मोटा मुनाफा होगा। पीड़ित उनके झांसे में आ गए तथा उन्होंने धीरे-धीरे करके उनके खाते में 24 लाख रुपया ट्रांसफर कर दिया।

वाराणसी में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा गुरु नानक देव का 557वां प्रकाशोत्सव

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी में सिख पंथ के संस्थापक एवं प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव महाराज का 557वां प्रकाशोत्सव मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस पावन अवसर पर गुरुबाग स्थित गुरुद्वारा को फूलों की मालाओं, रंग-बिरंगी झालरों और आकर्षक विद्युत सजावट से भव्य रूप दिया गया है। गुरुद्वारा परिसर में फूलों के पौधे और पानी के फव्वारे भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।



प्रकाशोत्सव के अवसर पर सुबह से ही गुरुद्वारा परिसर गुरु की महिमा और गुरुवाणी के मधुर स्वर से गूंज रहा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु गुरुद्वारे पहुंचकर अरदास कर मत्था टेक रहे हैं और गुरु की संगत में शबद-कीर्तन में शामिल हो रहे हैं।

'सदुरु नानक परगटया, मिटी धुंध जग चानण होआ...' और 'नानक नाम जहाज है, जो चढ़े सो उतरे पार' जैसे भजनों एवं गुरुवाणी के गायन से संगत निहाल हो रही है। सुखमनी साहिब का पाठ, नाम सिमरन और अरदास के बाद श्रद्धालु गुरु का अटूट लंगर छक रहे हैं। पूरे परिसर में सेवा, श्रद्धा और समर्पण का भाव दिखाई दे रहा है। प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा गुरुबाग में सोमवार शाम से ही धार्मिक कार्यक्रमों और शबद-कीर्तन का सिलसिला शुरू हो गया था। शाम सात से नौ बजे तक गुरुद्वारे के हजूरी रागी भाई नरिंदर सिंह और भाई रकम सिंह ने गुरुवाणी कीर्तन प्रस्तुत किया। इसके बाद रात नौ से दस बजे तक दरबार साहिब, अमृतसर से आए भाई सुरिंदर सिंह और भाई नछत्तर सिंह ने शबद-कीर्तन के माध्यम से संगत को गुरु भक्ति में सराबोर किया।

मंगलवार तड़के 3:45 बजे से ही प्रकाशोत्सव के मुख्य कार्यक्रमों की शुरूआत हो गई। इस दौरान सुहाना स्वागत, गुरुघर की संगत पर पुष्प वर्षा, नाम सिमरन, सुखमनी साहिब का पाठ और आसा दी वार का कीर्तन आयोजित किया गया।

कार्यक्रमों की अगली कड़ी में सुबह नौ से 10:30 बजे तक गुरुनानक इंग्लिश मीडियम स्कूल (गुरुबाग), गुरुनानक खालसा बालिका इंटर कॉलेज (गुरुबाग) और गुरुनानक इंग्लिश स्कूल (शिवपुर) की छात्राओं द्वारा शबद गायन किया जाएगा। इसके बाद सुबह 10:30 से दोपहर 12:30 बजे तक गुरुबाग गुरुद्वारे के हजूरी रागी जत्थे द्वारा गुरुवाणी कीर्तन प्रस्तुत किया जाएगा।

दोपहर 12:30 बजे के बाद अमृतसर और दिल्ली से आए रागी जत्थों द्वारा शबद-कीर्तन किया जाएगा।

इसके पश्चात अरदास और श्रद्धालुओं के लिए अटूट लंगर का सिलसिला जारी रहेगा। प्रकाशोत्सव को लेकर सिख श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है।

पात्र विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति आवेदन तत्काल अग्रसारित करें शिक्षण संस्थान

प्रयागराज।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पिछड़ी जाति के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ समय से दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने शिक्षण संस्थानों को आवेदन पत्रों के शीघ्र अग्रसारण के निर्देश दिए हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 में छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया है, लेकिन अभी तक सभी आवेदन विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों की ओर से अग्रसारित नहीं किए गए हैं। यह जानकारी मंगलवार को जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कोमिल द्विवेदी ने दी ।

उन्होंने बताया कि 23 नवंबर तक पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा नौ और 10 के 48,376 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। इनमें से 44,994 आवेदन ही शिक्षण संस्थानों की ओर से अग्रसारित किए गए हैं। इसी प्रकार कक्षा 11 और 12 के 45,888 विद्यार्थियों के आवेदन के सापेक्ष 41,428 आवेदन अग्रसारित हुए हैं। दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत कक्षा 11-12 से आगे की कक्षाओं के 1,38,572 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है, जिनमें से 1,16,415 आवेदन ही अग्रसारित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ दिलाना विभाग की प्राथमिकता है।

इसके लिए सभी विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से कहा गया है कि वे अपने यहां लंबित आवेदनों की जांच कर उन्हें तत्काल अग्रसारित करें, ताकि कोई भी पात्र विद्यार्थी योजना के लाभ से वंचित न रहे।

कोमिल द्विवेदी ने कहा कि किसी शिक्षण संस्थान की लापरवाही से पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति अथवा शुल्क प्रतिपूर्ति के लाभ से वंचित होता है तो संबंधित संस्थान के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विद्यालय स्तर पर आवेदन लंबित रहने से नवंबर माह की मुख्यमंत्री डैशबोर्ड रैंकिंग प्रभावित होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित शिक्षण संस्थान की होगी।

कार्तिक पूर्णिमा : बलिया में पांच लाख श्रद्धालुओं ने लगायी आस्था की डुबकी

बलिया।

महर्षि भृगु की धरा बलिया में कार्तिक पूर्णिमा पर पैराणिक काल से महास्नान की परंपरा लाखों श्रद्धालुओं ने निभाई। सोमवार की मध्यरात्रि महावीर घाट स्थित गंगा की रेती पर महा आरती के साथ ही लाखों लोगों ने आस्था की डुबकी लगानी शुरू कर दी।



कार्तिक पूर्णिमा पर्व के अवसर पर सबसे पहले महावीर घाट पर विधिवत पूजन-अर्चन एवं भव्य गंगा आरती की गई। जहां जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह व पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा ने मां गंगा से जनपदवासियों की सुख, समृद्धि एवं शांति की कामना की। आरती के बाद वहां मौजूद श्रद्धालुओं ने गंगा में दीप दान किया। जिससे देखते ही देखते लाखों दीप गंगा में आकाश में सितारों की तरह टिमटिमाने लगे। सोमवार की मध्य रात्रि से शुरू हुआ स्नान मंगलवार सुबह होते होते आस्था के कुंभ में बदल गया। बलिया शहर से गंगा घाट तक श्रद्धालुओं का रेला लगा रहा। लोग माथे पर गठरी लेकर गंगा घाटों की तरफ चले जा रहे थे। पूरे मेला क्षेत्र में सुरक्षा की व्यवस्था चाक चैबंद थी। एक अनुमान के मुताबिक सुबह नौ बजे तक पांच लाख लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई थी। डीएम और एसपी रात्रि से सुबह तक गंगा के विभिन्न घाटों तक चक्रमण करते रहे। वहीं, विभिन्न सामाजिक संगठनों ने जगह-जगह श्रद्धालुओं की सेवा के लिए शिविर लगाए थे। जबकि लोग स्नान के बाद बाबा बालेश्वरनाथ और भृगु मन्दिर में पूजन-अर्चन कर रहे थे।

कार्तिक पूर्णिमा मेले की व्यवस्थाएं परखने आधी रात दलबल के साथ पांचाल घाट पहुंचीं एसपी आरती सिंह

फरुर्खाबाद।

कार्तिक पूर्णिमा मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर पुलिस अधीक्षक श्रीमती आरती सिंह पूरी तरह गंभीर नजर आ रही हैं। व्यवस्थाओं की हकीकत परखने के लिए वह आधी रात पुलिस बल के साथ पांचाल घाट पहुंचीं। यहां उन्होंने मेला क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा प्रबंधों, यातायात नियंत्रण और पार्किंग स्थलों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने और ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के सख्त निर्देश दिए।



थाना कादरीगेट क्षेत्रांतर्गत पांचाल घाट पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस अधीक्षक ने देर रात मौके पर पहुंचकर उन स्थानों की स्थिति परखी, जहां श्रद्धालुओं की अधिक आवाजाही और भीड़ का दबाव रहने की संभावना है। उन्होंने घाट तक पहुंचने वाले रास्तों, वाहनों की आवाजाही और निर्धारित पार्किंग स्थलों का निरीक्षण करते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए।

एसपी ने स्पष्ट किया कि मेले के दौरान श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा कराया जाए और मेला क्षेत्र में अनावश्यक भीड़ तथा जाम की स्थिति न बनने दी जाए। सुरक्षा ड्यूटी में लगाए गए पुलिसकर्मी अपने निर्धारित स्थानों पर मुस्तैद रहें।

गंगा की लहरों पर अठखेलियां कर रहे साइबेरियन पक्षी, विदेशी मेहमानों के कलरव से गुलजार हुए काशी के घाट

सात समंदर पार कर काशी पहुंचे प्रवासी पक्षी, सुबह-सुबह घाटों पर उमड़ रही पर्यटकों की भीड़, नौका विहार के दौरान पक्षियों का झुंड आकर्षण का केंद्र

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी में सर्दियों की दस्तक के साथ ही गंगा की लहरों पर विदेशी मेहमानों की चहचहाहट गूंजने लगी है। सात समंदर पार कर साइबेरिया और आसपास के ठंडे इलाकों से पहुंचे प्रवासी पक्षियों ने उत्तरवाहिनी गंगा के तटों पर डेरा डालना शुरू कर दिया है। गंगा की लहरों पर अठखेलियां करते, पानी में तैरते और झुंड बनाकर आसमान में उड़ान भरते इन पक्षियों का मनमोहक नजारा पर्यटकों और स्थानीय लोगों को खूब लुभा रहा है। सुबह की पहली किरण के साथ ही इन विदेशी मेहमानों को निहारने, उनकी अठखेलियों को कैमरे में कैद करने और उनके साथ सेल्फी लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग घाटों पर पहुंच रहे हैं।



नौका विहार करने वाले पर्यटकों के लिए भी इन पक्षियों की मौजूदगी आकर्षण का खास केंद्र बनी हुई है। गंगा की लहरों पर चलती नावों के आसपास मंडराते और पानी की सतह पर तैरते पक्षियों के झुंड काशी के घाटों की खूबसूरती में चार चांद लगा रहे हैं। अस्सी घाट, दशाश्वमेध घाट, अहिल्याबाई घाट और नमो घाट सहित अन्य गंगा तटों पर सुबह के समय इनका कलरव सुनाई दे रहा है। फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए भी यह नजारा किसी खूबसूरत तस्वीर से कम नहीं है।

बताया जाता है कि ये प्रवासी पक्षी आमतौर पर नवंबर से फरवरी के अंत तक करीब चार महीने काशी और आसपास के गंगा तटीय इलाकों में प्रवास करते हैं। साइबेरिया और उसके आसपास के क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड पड़ने तथा झीलों के जम जाने से भोजन की उपलब्धता कम हो जाती है।

ऐसे में अनुकूल मौसम और भोजन की तलाश में ये हजारों किलोमीटर का सफर तय कर गर्म क्षेत्रों की ओर रुख करते हैं। वाराणसी में इनका आगमन नवंबर के दूसरे सप्ताह से शुरू हो जाता है। पक्षी विशेषज्ञों के अनुसार, ये पक्षी करीब चार हजार किलोमीटर की दूरी तय कर काशी पहुंचते हैं और सर्दियों के दौरान गंगा के तटवर्ती क्षेत्रों में प्रवास करते हैं।

सफेद शरीर, बड़ी चोंच और लंबे पैरों वाले इन प्रवासी पक्षियों की मौजूदगी से गंगा के दोनों किनारों का नजारा भी बदल जाता है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर हादसा, चार स्कूली बच्चों की मौत, 24 की हालत नाजुक

कन्नौज (उत्तर प्रदेश)।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार सुबह एक सड़क हादसे में चार स्कूली बच्चों की मौत हो गई, जबकि 25 बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा ठठिया थाना क्षेत्र में माइलस्टोन 210 के पास सुबह करीब 6:30 बजे हुआ। आगरा से पिकनिक मनाकर लौट रही कौशांबी के ओरिएंटल पब्लिक स्कूल की बस को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे बस का पिछला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई सीटें उखड़ गईं। बस में सवार बच्चे अंदर ही फंस गए।



बताया गया कि बच्चों को टॉयलेट कराने के लिए चालक ने बस एक्सप्रेस-वे किनारे खड़ी की थी। इसी दौरान पीछे से आए ट्रक ने बस में टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से राहत एवं बचाव अभियान चलाया। काफी मशक्कत के बाद बच्चों को बस से बाहर निकालकर एंबुलेंस से तिर्वा स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने चार बच्चों को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान आर्यन चौरसिया (14), रजिउल्लाह (16), जैद मिर्जा (17) और अरमान (17) के रूप में हुई है।

रायबरेली-अमेठी सहित इन सीटों पर फंसा कांग्रेस-सपा गठबंधन का पेंच, आज हो सकता है बड़ा फैसला

लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में भाजपा को चुनौती देने के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस गठबंधन पर मुहर लग गई, लेकिन सीटों के बंटवारे का गणित अभी सुलझा नहीं है। दिल्ली में दोनों दलों के बीच सोमवार को हुई पहली औपचारिक बैठक 15 मिनट में खत्म हो गई।

कांग्रेस ने 181 सीटों की मांग को 130 तक समेट दिया। हालांकि, 60 मजबूत सीटों को लेकर दावेदारी पर अड़ी रही। अमेठी और रायबरेली की सभी विधानसभा सीटें इसमें शामिल हैं। वहीं, सपा का जोर जीतने की क्षमता पर रहा। दोनों पक्षों ने पहली बैठक को सकारात्मक बताया और अगले दो से चार दिनों में समझौता होने की उम्मीद जताई।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी के आवास पर हुई बैठक में सपा के



राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, सांसद राजीव राय और इकरा चौधरी शामिल हुए। कांग्रेस की ओर से प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद और विधायक दल के नेता वीरेंद्र चौधरी ने बात की।

सपा नेताओं ने सूची पर विचार कर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से विमर्श के बाद जवाब देने की बात कही। सपा की ओर से करीब 55 सीटों की सूची तैयार की गई थी। हालांकि, इस संबंध में पार्टी की ओर से सार्वजनिक पुष्टि नहीं हुई है।

2024 बनाम 2022, दोनों के अपने-अपने तर्क

कांग्रेस अपनी बड़ी दावेदारी का आधार 2024 के लोकसभा चुनाव को बना रही है। तब सपा के साथ गठबंधन में उसने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा और छह पर जीत हासिल की। उसका वोट प्रतिशत 9.46 रहा। कांग्रेस का तर्क है कि वह गठबंधन में दलित, ब्राह्मण और अति पिछड़े वर्गों के मतदाताओं को जोड़ सकती है। पार्टी हर जिले में अपनी राजनीतिक मौजूदगी और प्रतिनिधित्व चाहती है।

वहीं, सपा विधानसभा चुनाव के पुराने प्रदर्शन को आधार बना रही है। 2022 में कांग्रेस ने अकेले 399 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन जीत सिर्फ दो पर मिली। उसका वोट प्रतिशत 2.33 रहा और 387 सीटों पर जमानत जब्त हुई। 2017 में सपा के साथ गठबंधन के बावजूद कांग्रेस 114 सीटों पर लड़कर केवल सात सीटें जीत पाई थी।

सपा का तर्क है कि 2024 की सफलता गठबंधन की साझा उपलब्धि थी। इसे कांग्रेस की अकेले की ताकत नहीं माना जा सकता।

अमेठी-रायबरेली पर खींचतान की गुंजाइश

कांग्रेस की मांग में अमेठी और रायबरेली की सभी दस विधानसभा सीटें हैं। लेकिन 2022 में दोनों जिलों की दस सीटों में छह सपा और चार भाजपा ने जीती थीं। कांग्रेस यहां एक भी सीट नहीं जीत पाई थी।

हालांकि, 2024 के राज्यसभा चुनाव में कुछ सपा विधायकों की क्रॉस वोटिंग और बदले राजनीतिक समीकरणों के चलते कांग्रेस इन क्षेत्रों में अपनी दावेदारी की गुंजाइश देख रही है। 403 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के फिलहाल दो विधायक हैं, जबकि सपा के पास 111 सीटें हैं।

काशी तमिल संगमम् 5.0 : मेंहदी और पोस्टर डिजाइन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में काशी तमिल संगमम् 5.0 के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार को काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के विश्वनाथ मंदिर परिसर में मेंहदी एवं पोस्टर डिजाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दोनों प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा के साथ भारतीय कला एवं साहित्य के प्रति रुचि का प्रदर्शन किया।

मेंहदी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने आकर्षक और कलात्मक डिजाइनों के माध्यम से अपनी हुनर का परिचय दिया।

इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय पारंपरिक कला एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना था। विद्यार्थियों ने मेंहदी डिजाइनों के जरिए काशी तमिल संगमम् 5.0 का संदेश भी प्रसारित किया और लोगों को आयोजन में सहभागिता के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता का समन्वयन विजय भगत ने

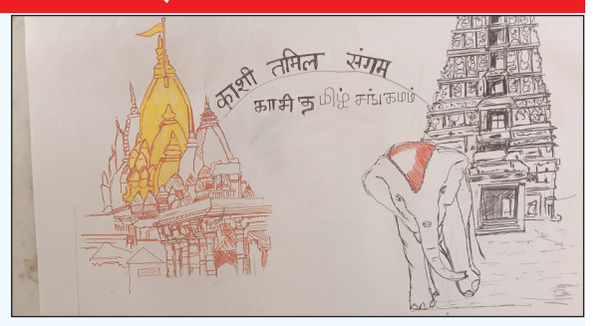

किया।

इसके बाद तिरुक्कुरल पढ़ें एवं सीखें विषय पर पोस्टर डिजाइन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य तमिल साहित्य के महान ग्रंथ तिरुक्कुरल में निहित शिक्षाओं, नैतिक मूल्यों और जीवन-दर्शन को रचनात्मक माध्यम से प्रस्तुत करना था। प्रतिभागियों ने आकर्षक पोस्टरों के जरिए तिरुक्कुरल के विचारों और तमिल साहित्य की समृद्ध परंपरा को अभिव्यक्त किया। इस प्रतियोगिता का समन्वयन साहेब राम टुडू ने किया।

प्रतियोगिताओं में शामिल विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इन गतिविधियों में भाग लेना उनके लिए नया और रोचक अनुभव रहा। इसके माध्यम से उन्हें अपनी रचनात्मक क्षमता प्रदर्शित करने के साथ ही पोस्टरों के जरिए तिरुक्कुरल की शिक्षाओं और विचारों को समझने का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने इन आयोजनों को तमिल साहित्य, संस्कृति और उसकी समृद्ध विरासत से परिचित होने का उपयोगी माध्यम बताया।

वहीं, सोमवार शाम बीएचयू स्थित विश्वनाथ मंदिर परिसर में भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसमें भक्ति संगीत के माध्यम से आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वातावरण की झलक देखने को मिली।

कार्यकर्ताओं की दम पर भाजपा 2027 का चुनाव एकतरफा जीतेगी : स्वतंत्र देव सिंह

प्रयागराज।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं के परिश्रम, जनता के आशीर्वाद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव एकतरफा जीतेगी। विकास और राष्ट्रवाद के एजेंडे पर भाजपा लगातार तीसरी बार प्रदेश में सरकार बनाएगी। यह बातें जिले के प्रभारी एवं कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सोमवार को सिविल लाइंस स्थित भाजपा कार्यालय में जिला पदाधिकारियों और मंडल अध्यक्षों की बैठक को संबोधित करते हुए कहीं।



उन्होंने कहा कि कार्यकताओं के दम पर ही भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में सभी कार्यकताओं को अभी से जुटना होगा। जनता के बीच जाकर विपक्ष की ओर से फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करें, क्योंकि विपक्ष के पास जनता का विश्वास जीतने के लिए कोई ठोस मुद्दा नहीं है।

स्वतंत्र देव सिंह ने मंडल अध्यक्षों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने मंडलों के बूथ अध्यक्षों और बूथ समितियों के साथ लगातार संवाद बनाए रखें।

भाजपा के कार्यकर्ता पूरे वर्ष जनता के बीच रहकर काम करते हैं। इसी संपर्क और संवाद को और मजबूत करने की जरूरत है।

मतदाता जोड़ो अभियान पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता बूथ स्तर पर घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करें। नए मतदाताओं के नाम जुड़वाने के साथ छूटे हुए मतदाताओं को भी मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए पूरी मेहनत से काम करें।

पीएम स्वनिधि योजना में प्रयागराज को देश में पहला स्थान, महापौर गणेश केसरवानी ने टीम को दी बधाई

प्रयागराज।

पीएम स्वनिधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों में प्रयागराज ने देश में पहला स्थान हासिल किया है। नगर निकाय श्रेणी में नगर निगम प्रयागराज को पीएम स्वनिधि सम्मान पुरस्कार समारोह-2026 में भारत में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस उपलब्धि पर सोमवार को महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए



कहा कि यह सम्मान केवल नगर निगम की उपलब्धि नहीं, बल्कि शहर के पथ विक्रेताओं के परिश्रम, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का भी सम्मान है। उन्होंने नगर निगम, जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) और योजना से जुड़ी पूरी टीम को बधाई दी।

भारत सरकार की ओर से 20 नवंबर को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने नगर निगम प्रयागराज को यह पुरस्कार प्रदान किया।

महापौर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से रेहड़ी-पटरी और फुटपाथ पर कारोबार करने वाले छोटे व्यापारियों को आर्थिक संबल मिल रहा है।

हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटका मिला डिलीवरी बॉय का शव

कानपुर।

कल्याणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत हॉस्टल के एक कमरे में डिलीवरी बॉय का शव फंदे से लटका मिला। शव कई दिन पुराना होने के कारण बुरी तरह सड़ चुका था। कमरे से बदबू आने पर अन्य छात्रों ने हॉस्टल मालिक को जानकारी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर देखा तो युवक का शव मिला। कमरे से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ, जिसमें लिखा था कि 'मरना तो एक दिन सबको है, इसलिए अच्छे कर्म करते रहिए।'

पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक की पहचान बरेली के नौगवां निवासी केशव वर्मा (25) के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, केशव 17 अक्टूबर को कल्याणपुर कला स्थित अवनीश यादव बॉयज हॉस्टल में रहने आया था। उसे हॉस्टल की दूसरी मंजिल पर कमरा दिया गया था। वहां रहने वाले छात्रों ने उसे आखिरी बार 19 नवंबर को देखा था। सोमवार सुबह कमरे से तेज दुर्गंध आने लगी। छात्रों ने दरवाजा खटखटाकर आवाज लगाई, लेकिन भीतर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद हॉस्टल मालिक को सूचना दी गई।

मृतक के पिता गोपाल वर्मा ने पुलिस को बताया कि वह फिलहाल परिवार के साथ हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में रहते हैं और वहां रेहड़ी लगाते हैं। परिवार में पत्नी कमलेश, बेटी लक्ष्मी और छोटा बेटा कार्तिक हैं। केशव ने आईटीआई की पढ़ाई की थी। वह एक ऑटोमोबाइल कंपनी में नौकरी मिलने की बात कहकर कानपुर आया था।

घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। केशव की मां कमलेश और बहन लक्ष्मी दवा लेने के सिलसिले में लखनऊ आई हुई हैं। सूचना मिलने के बाद वे पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंच रही हैं।

थाना प्रभारी केशव तिवारी ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस मुठभेड़ में शातिर बदमाश घायल

नोएडा।

उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना दादरी पुलिस ने सोमवार की देर रात को एक पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली उक्त बदमाश के पैर में लगी है।

पुलिस उपायुक्त जोन तृतीय श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि थाना दादरी पुलिस सोमवार की देर रात को बोड़ाकी गांव के पास बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी, तभी एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर दो लोग आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रूकने का इशारा किया तो वे वहां से भाग निकले। पीछा करके पुलिस ने उन्हें घेर लिया। अपने आपको पुलिस से घिरा हुआ देख बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। उन्होंने बताया कि जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली लोकेश पुत्र रामकुमार उम्र 23 वर्ष निवासी जनपद बुलंदशहर के पैर में लगी है। इसका एक अन्य साथी मौके से भाग गया। उक्त बदमाश के पास से पुलिस ने एक देसी तमंचा, विभिन्न जगहों से लूटे हुए 9 मोबाइल फोन, चोरी की 5 मोटरसाइकिल, चोरी के चांदी के सिक्के आदि बरामद किया है। यह बदमाश अपने साथियों के संग मिलकर एनसीआर में लूटपाट और चोरी की वारदातें करता है। इसके खिलाफ पूर्व में कई मुकदमे दर्ज हैं।

बीएलडब्ल्यू परिसर में अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरायी स्कूटी, किशोर की मौत

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में मंडुआडीह थाना क्षेत्र स्थित बनारस रेल इंजन कारखाना (बीएलडब्ल्यू) परिसर में मंगलवार सुबह हुए सड़क हादसे में 13 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। स्कूटी से जा रहा किशोर अचानक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और उसकी स्कूटी डिवाइडर से जा टकराई। गंभीर रूप से घायल किशोर को बीएचयू ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार, चितईपुर थाना क्षेत्र के नेवादा स्थित कैलाशपुरी कॉलोनी निवासी अभिषेक त्रिपाठी का पुत्र अंजनेय त्रिपाठी मंगलवार सुबह करीब पांच बजे स्कूटी (यूपी 65 ईबी 5985) से कहीं जा रहा था।

विभिन्न सड़क हादसों में तीन की मौत

नोएडा।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में विभिन्न जगहों पर हुए विभिन्न सड़क हादसों में बीती रात को तीन लोगों की मौत हो गई है। घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना एक्सप्रेसवे के प्रभारी निरीक्षक अमित खारी ने बताया कि आज सुबह को अवनीश गोस्वामी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 23 नवंबर को उनकी पत्नी खुशी भारद्वाज (24) ग्रेटर नोएडा स्कूटी पर सवार होकर जा रही थी। सेक्टर 125 के पास एक अज्ञात वाहन चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दिया।

बहराइच में हवाई हमले का अलर्ट मिलते ही बंद हुई बिजली, अंधेरे में शुरू हुआ जिंदगी बचाने का ऑपरेशन

बहराइच।

उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में युद्ध जैसे हालात या हवाई हमले की आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने रविवार शाम को पुलिस लाइन ग्राउंड में ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस दौरान सायरन बजते ही पूरे परिसर की बिजली बंद कर दी गई। देखते ही देखते अंधेरा छा गया और माहौल को आपातकालीन स्थिति जैसा बना दिया गया।

अभ्यास के जरिए परखा गया कि अचानक हवाई हमले या किसी बड़े खतरे की स्थिति में नागरिकों और सुरक्षा एजेंसियों के बीच किस तरह समन्वय स्थापित कर



राहत एवं बचाव कार्य किया जाएगा।

मॉक ड्रिल के दौरान खतरे का संकेत देने के लिए सायरन बजाया गया। इसके तत्काल बाद पुलिस लाइन परिसर की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। अभ्यास के तहत धमाकों और आपात स्थिति जैसा माहौल तैयार किया गया। इसमें कुछ लोगों के घायल होने का दृश्य भी दिखाया गया। इसका उद्देश्य यह परखना था कि सीमित संसाधनों और अंधेरे के बीच राहत एवं बचाव दल कितनी तेजी से कार्रवाई कर सकते हैं।

ब्लैकआउट होते ही सिविल डिफेंस, पुलिस, अग्निशमन विभाग और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीमों ने मोर्चा संभाल लिया। टीमों ने अंधेरे में फंसे घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला। मौके पर प्राथमिक उपचार देने के बाद उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। पूरे अभ्यास के दौरान विभिन्न विभागों के बीच तालमेल और त्वरित कार्रवाई की क्षमता का परीक्षण किया गया।

एडीएम अरुण कुमार ने जवानों और वहां मौजूद लोगों को आपात स्थिति में सुरक्षा के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्लैकआउट के दौरान घरों और प्रतिष्ठानों की लाइटें बंद रखनी चाहिए। खिड़कियों को पूरी तरह ढकना चाहिए, ताकि बाहर रोशनी न दिखाई दे। साथ ही किसी भी खतरे की स्थिति में घबराने के बजाय सुरक्षित स्थान पर शरण लेनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य बाहरी हमले या किसी बड़ी आपदा के समय सुरक्षा एवं राहत से जुड़े विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना और त्वरित कार्रवाई की क्षमता को परखना था। ऐसे अभ्यास से आपात स्थिति में जान-माल के नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी।

रामायण फिल्म में रावण को शोषितों का उद्धारक बताना हिंदू जनमानस की भावनाओं पर प्रहार : मिलिंद परांडे

कानपुर।

रामायण फिल्म में महर्षि वाल्मीकि की मूल कथा के साथ छेड़छाड़ कर काल्पनिक घटनाएं जोड़ने और महत्वपूर्ण प्रसंगों को हटाने से हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। फिल्म में भगवान राम के चरित्र को हल्केपन से दिखाने और रावण का महिमामंडन करने का प्रयास किया गया है। इस फिल्म का सेंसर प्रमाणपत्र निरस्त होना चाहिए। यह बातें सोमवार को जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित समारोह में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय संगठन



महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहीं।

उन्होंने कहा कि फिल्म के जरिए एक अरब से अधिक हिंदू रामभक्तों की आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। अहिल्या उद्धार, निषादराज गुह्य की मित्रता और केवट की भक्ति जैसे प्रसंग भगवान राम के जीवन में सामाजिक समरसता का संदेश देते हैं, लेकिन फिल्म में इनका जिक्र नहीं किया गया है। ऋषि-मुनियों की रक्षा और उनकी साधना में बाधा डालने वाले राक्षसों के उन्मूलन के लिए भगवान राम के अभियान को व्यक्तिगत प्रतिशोध के रूप में दिखाने का प्रयास किया गया है। वहीं, अहंकारी और अत्याचारी रावण को शोषितों का उद्धारक बताना हिंदू जनमानस की भावनाओं पर सीधा प्रहार है।

मिलिंद परांडे ने कहा कि राम कथा व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए मयार्दाओं का आदर्श प्रस्तुत करती है।

विभिन्न जगहों पर चार लोगों के साथ लूटपाट

नोएडा।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में विभिन्न जगहों पर बेखौफ बदमाशों ने चार लोगों के साथ लूटपाट की। बदमाश मोबाइल फोन, नगदी, बैग आदि लूटकर फरार हो गए। घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना सेक्टर -113 के प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को मधुरिमा चोपड़ा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सेक्टर 77 स्थित एक सोसाइटी में रहती है। पीड़िता के अनुसार बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने बीती रात को उनका कीमती मोबाइल फोन लूट लिया।



वह अपने घर से सेक्टर 75 की तरफ जा रही थी तभी यह घटना हुई। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि आज सुबह को संजीव ने थाना बिसरख में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह अपनी पत्नी के साथ बाइक पर सवार होकर बीती रात अपनी दूकान से घर की तरफ जा रहे थे।

) सिलेंडर मे आग लगने से दो लोगों की मौत, आपूर्तिकर्ता कंपनी और एजेंसी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नोएडा।

उत्तर प्रदेश के थाना जेवर क्षेत्र स्थित ग्राम दयानतपुर में बीती रात को रसोई गैस के सिलेंडर में रिसाव के चलते लगी आग और सिलेंडर फटने से हुई दो लोगों की मौत और दो लोगों के गंभीर रूप से झुलसने के मामले में पुलिस ने गैस आपूर्तिकर्ता कंपनी और गैस एजेंसी के अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि ग्राम दयानतपुर के रहने वाले कुशल पाल सिंह ने आज रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 23 नवंबर 2026 को ग्राम दयानतपुर में



एलपीजी गैस सिलेंडर में रिसाव के कारण आग लगी, तथा गैस सिलेंडर फट गया। इस घटना में वीरपाल सिंह (56) उनके पुत्र अभिषेक (24) की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि अभिषेक की पत्नी काजल एवं उसका दो वर्षीय बेटा गंभीर रूप से झुलस गए। उन्होंने आरोप लगाया है कि गैस सिलेंडर की गुणवत्ता, वाल्व, सील, रिपेयरिंग एवं सुरक्षा के मानकों के अनुपालन में लापरवाही की आशंका है। गैस आपूर्ति कर्ता कंपनी एवं संबंधित एजेंसी का दायित्व है कि उपभोक्ताओं को पूर्णत सुरक्षित एवं निर्धारित मांगों के अनुरूप सिलेंडर उपलब्ध कराए। उन्होंने इस मामले में गैस आपूर्ति कर्ता कंपनी, संबंधित गैस एजेंसी एवं जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच करने की मांग करते हुए मुकदमा दर्ज करवाया है। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1), 125,287 के तहत मुकदमा दर्ज हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया है कि यह केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि आम नागरिकों के जीवन एवं सुरक्षा से जुड़ा अत्यंत गंभीर मामला है। डीसीपी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आठ दिन बाद थी बेटी की शादी

कुशल पाल के अनुसार जिस घर में यह घटना हुई है उस घर में आठ दिन बाद बेटी की शादी थी। शादी के लिए घर में 23 एलपीजी सिलेंडर रखे गए थे। गैस सिलेंडर में रिसाव हो रहा था। इसी बीच बिजली की तार में स्पार्किंग हुई और आग लग गई। आग की चपेट में रखा एक अन्य सिलेंडर भी आ गया तथा दोनों सिलेंडर फट गए। घटना की सूचना पर आसपास के लोग पहुंचे। उन्होंने घर का दरवाजा तोड़ा तथा घर में प्रवेश कर आग बुझाने का प्रयास किया।



टाइप कास्टिंग तोड़ना हम एक्टर्स के हाथ नहीं

हिंदी सिनेमा में निरूपा राय, रीमा लागू, फरीदा जलाल जैसी अदाकाराओं ने मां की भूमिका को पर्दे पर अमर बनाया है। इसी कड़ी में अब ऐक्ट्रेस आयशा रजा मिश्रा भी बॉलिवुड की चहेती मां बन चुकी हैं। वीरे दी वेडिंग, तू झूठी मैं मक्कार, गुंजन सक्सेना : द कारगिल गर्ल, सोनू की टीटू की स्वीटी जैसी कई चर्चित फिल्मों में मां की यादगार भूमिका निभाने वाली आयशा रजा इन दिनों अपनी फैमिली फिल्म मीठे में क्या है में भी मम्मी अमृता के किरदार के लिए चर्चा में हैं। हालांकि, प्रतिभावान ऐक्ट्रेस होने के बावजूद लगातार मां के रूप में टाइपकास्ट होने पर वह कहती हैं, 'ये टाइप कास्टिंग तोड़ना हम ऐक्टर्स के हाथ में नहीं है। इसके लिए किसी डायरेक्टर को आप पर भरोसा जताकर वो अलग किरदार देना पड़ेगा।'

काम को लेकर नाशुक्रा नहीं होना चाहिए

बकौल आयशा रजा मिश्रा, 'मैं अक्सर मनोज भाई (मनोज पाहवा) का उदाहरण देती हूं, क्योंकि उनको भी बहुत समय तक पंजाबी, कॉमिडी अंकल वाले रोल में टाइपकास्ट किया गया। हम साथ में कई फिल्में करते हैं तो हम यही रोते रहते हैं कि मैं पंजाबी मम्मी, वो पंजाबी पापा। हम आपस में यह बहुत डिस्कस करते हैं। फिर अनुभव सिन्हा जैसे डायरेक्टर फिल्म मुल्क में मनोज पाहवा को ऐसे रोल में लेते हैं कि सारे प्रड्यूसर कहते हैं कि वह बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं। ऑडियंस उन्हें इस रोल में एक्सेप्ट ही नहीं करेगी, क्योंकि लोगों की नजर में वह कमीडियन हैं, मगर अनुभव सिन्हा ने कहा कि मैं जानता हूं कि मनोज कितना कमाल का अभिनेता है और मेरे लिए वह क्या कर सकता है। वही हुआ, लेकिन आपको वह एक डायरेक्टर चाहिए जिसमें वो विजन हो और जो आप पर वह भरोसा जताए।'

स्टेज पर भड़ास निकालेंगे

उन्होंने आगे कहा, 'इसके बावजूद, मैंने अपने पति (ऐक्टर कुमुद मिश्रा) से सीखा है कि आपको कभी भी नाशुक्रा नहीं होना चाहिए। हम कम से कम काम कर रहे हैं, जबकि हमसे कहीं ज्यादा टैलंटेड ऐक्टर्स सिर्फ एक मौके का इंतजार कर रहे हैं। हमें कम से कम इतने मौके मिल रहे है तो उसे सर्वश्रेष्ठ ढंग से निभाइए। उसे एंजॉय कीजिए और उसी में कुछ नया करने की कोशिश कीजिए। बाकी तकदीर अच्छी रही तो अलग रोल भी मिलेंगे और अगर नहीं मिले तो हमारे पास स्टेज है। हम वहां अपनी भड़ास निकालेंगे। मगर हम उस स्थिति में हैं कि हमें काम मिल रहा है, वो भी एक आशीर्वाद है। आप किलसकर, दुखी होकर काम नहीं कर पाएंगे।'

घर की मजबूत औरतों का रहा प्रभाव

आयशा रजा जोहरा सहगल और उजरा बट जैसी दिग्गज अदाकाराओं की नवासी हैं। इन सशक्त महिलाओं का उन पर कितना प्रभाव रहा? यह पूछने पर वह कहती हैं, 'बहुत प्रभाव पड़ा। मेरी नानी और दादी दोनों कामकाजी थीं। मेरी दादी बीबीसी उर्दू सर्विस की दुनिया की पहली महिला न्यूज रीडर थीं। मेरी नानी हाजरा बेगम एक स्वतंत्रता सेनानी थीं। प्रगतिशील लेखक संघ की सदस्या थीं। मेरे घर में कृशन चंदर, कैफी आजमी अक्सर आया करते थे तो मैं वो देखकर बड़ी हुई हूं। मेरी नानी की दो बहनें थीं, जोहरा सहगल और उजरा बट, जो पर्दा करने वाले परिवारों से थीं।'

रूढ़िवादी परिवार से निकलकर रास्ता बनाया

उन्होंने कहा, 'उस रूढ़िवादी परिवार से निकलकर उन्होंने कहा कि हमें डांसर बनना है। हमें ऐक्टिंग करनी है। हम थिएटर करना चाहते हैं। फिर जोहरा ने अपने पिता से कहा कि मुझे एक हिंदू लड़के से शादी करनी है जो मुझसे 8 साल छोटा है। सन 1930 में इस बात के लिए राजी होना बड़ी बात थी। फिर मेरी मां ने अपनी मौसी लोगों को देखकर थिएटर किया, ऐक्टर बनी, तो मेरे लिए तो सारे रास्ते पहले से खुले हुए थे। सच कहूं तो मुझे लगता है कि मैं इतना कुछ नहीं कर पाई हूं क्योंकि उन लोगों ने मेरे लिए सारे दरवाजे रख दिए थे तो मेरे लिए ज्यादा मसला है कि मैं अपने लिए नई चुनौतियां ढूंढूं। अपने को एक्सप्लोर कर पाऊं, तो उनकी ये विरासत मेरे लिए बहुत अहम हैं।'

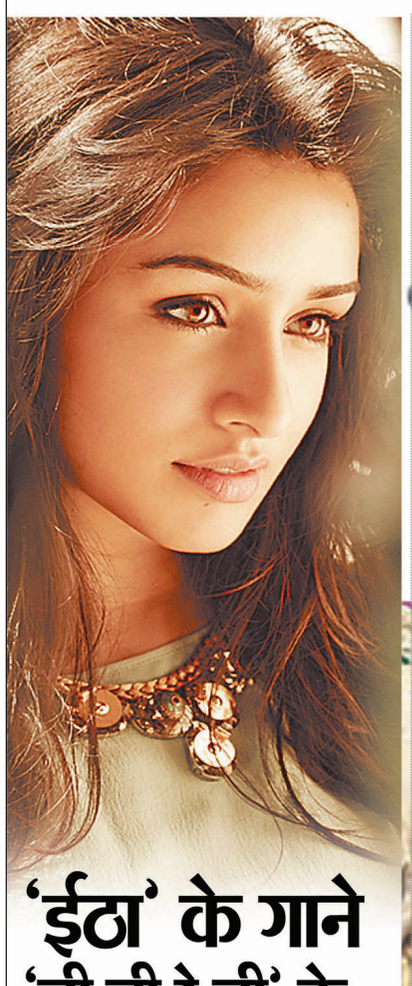

'ईठा' के गाने 'जी जी रे जी' के लिए श्रद्धा कपूर ने पारंपरिक डांस फॉर्म लावणी सीखा

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अपनी आने वाली फिल्म 'ईठा' के गाने 'जी जी रे जी' में लावणी करती नजर आएंगी। इस गाने के लिए उन्होंने महाराष्ट्र के पारंपरिक डांस फॉर्म लावणी को सीखा और उसकी बारीकियों को समझने की कोशिश की। श्रद्धा ने इसे अपने लिए बेहद रोमांचक अनुभव बताया। उनका कहना है कि लावणी की लय, हाव-भाव और ऊर्जा ऐसी है, जो सीधे दर्शकों से जुड़ती है, हालांकि इस गाने के जरिए एक दिग्गज कलाकार की दुनिया में कदम रखना उनके लिए जितना खास था, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी रहा। श्रद्धा कपूर ने गाने को लेकर कहा, ''ईठा के किरदार में 'जी जी रे जी' पर परफॉर्म करना मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा। लावणी में कुछ ऐसा है, जो आपको तुरंत अपनी ओर खींच लेता है। इसकी लय, हाव-भाव, ऊर्जा और दर्शकों से जुड़ने का अंदाज बहुत खास है। मुझे इस गाने के जरिए एक महान कलाकार की दुनिया में कदम रखना बहुत अच्छा लगा, लेकिन इसे लेकर मन में डर भी था।'' उन्होंने कहा, ''इस गाने के पीछे एक बहुत खास कहानी है, जो उस महान कलाकार की जिंदगी में एक बड़ा मोड़ लेकर आती है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस गाने के जरिए उस कहानी को पर्दे पर उतारने के लिए की गई हमारी मेहनत को महसूस कर पाएंगे।''

फिल्म के म्यूजिक को तैयार करने वाले मशहूर संगीतकार जोड़ी अजय-अतुल ने बताया कि 'ईठा' जैसी फिल्म में संगीत सिर्फ बैकग्राउंड तक सीमित नहीं रह सकता। उसे किरदारों, कहानी की दुनिया और भावनाओं का हिस्सा बनना जरूरी है। 'जी जी रे जी' फिल्म 'ईठा' का पहला गाना है, जिसके जरिए दर्शकों को फिल्म की रंगीन और संगीतमय दुनिया की पहली झलक देखने को मिलेगी। इस गाने को राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीतकार जोड़ी अजय-अतुल ने कंपोज और प्रोड्यूस किया है।



मुरैमामन विवाद पर कीर्ति सुरेश ने दी सफाई

अभिनेत्री कीर्ति सुरेश आगामी तमिल कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'सत्यवान सावित्री' में युवा वकील की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने सीरीज 'अक्का' के प्रमोशन के दौरान राधिका आप्टे द्वारा दक्षिण भारत में प्रचलित मुरैमामन प्रथा को लेकर दिए गए बयान पर सफाई दी। दरअसल, नेटफ्लिक्स सीरीज 'अक्का' के प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री राधिका आप्टे ने कीर्ति सुरेश के साथ एक इंटरव्यू में एक तेलुगु फिल्म का अनुभव शेयर किया था, जिसमें उन्होंने फिल्म के अनुभव को अपने करियर का सबसे मुश्किल किरदार बताया, जिसमें उनके किरदार को अपने मामा से शादी करनी थी। उन्होंने कहा कि उन्हें उस अनुभव की हर बात नापसंद थी और एक पितृसत्तात्मक माहौल में अपने से काफी बड़े अभिनेता के साथ रोमांस करना उनके लिए सबसे कठिन रहा। प्री-रिलीज इवेंट में कीर्ति सुरेश से पूछा गया था कि वो खुद को किस फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा मानती हैं क्योंकि उन्होंने तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में काम किया है। एक्ट्रेस ने जैसे ही साफ किया कि वो खुद को एक साउथ एक्ट्रेस मानती हैं, कीर्ति सुरेश का ध्यान हाल ही में एक्ट्रेस राधिका आप्टे के साथ दिए गए उनके एक जॉइंट इंटरव्यू की तरफ दिलाया गया, जिसमें राधिका के एक सवाल के जवाब में दक्षिण भारत में प्रचलित मुरैमामन संस्कृति (चाचा द्वारा अपनी भतीजी से शादी करने की प्रथा) का जिक्र किया गया था। सोशल मीडिया पर तेलुगु और तमिल सिनेमा के फैंस ने इस जवाब की आलोचना की थी क्योंकि कई लोगों को लगा था कि इसका लहजा नीचा दिखाने वाला था। कीर्ति सुरेश से पूछा गया कि जब वे खुद को साउथ सिनेमा की एक्ट्रेस मानती हैं, तो उन्होंने चीजों को सही तरीके से समझाने के लिए आगे आकर कदम क्यों नहीं उठाया, जिसके बाद अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि शुरुआत में उन्हें समझ नहीं आया था कि राधिका आप्टे फिल्म में मामा से शादी करने की बात किस संदर्भ में कह रही हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें बाद में अहसास हुआ कि राधिका एक सांस्कृतिक परंपरा का जिक्र कर रही हैं। कीर्ति सुरेश ने कहा, 'सच कहूं तो शुरुआत में मुझे समझ ही नहीं आया कि वो क्या कह रही हैं और फिर मुझे समझ आया कि वो हमारी संस्कृति के बारे में बात कर रही हैं। जैसे ही मुझे एहसास हुआ कि उन्हें इस संस्कृति के बारे में पता नहीं है, मैंने समझाने की कोशिश की कि ये दक्षिण भारत की एक संस्कृति है।' इवेंट के दौरान जब एक्ट्रेस को उनके इस जवाब के बारे में बताया गया कि ये प्रथा सिर्फ तमिल और तेलुगु में है लेकिन मलयालम में नहीं, तो उन्होंने कहा, 'हां, मैंने ऐसा कहा था। मैं संस्कृति की बात कर रही थी क्योंकि वो संस्कृति केरल में नहीं है। पूरे सम्मान के साथ क्योंकि मैं वहां की संस्कृति को कभी नीचा नहीं दिखाऊंगी।'

उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें ये साबित नहीं कर सकती कि ये एक परंपरा है और आप इसके बारे में बात नहीं कर सकते। इसलिए मैंने उन्हें समझाने की कोशिश की, ये कहते हुए कि ऐसा तमिलनाडु और आंध्र में होता है।



मैसा में दिखेगी पिता और बेटी के रिश्ते की दिल छू लेने वाली कहानी

मैसा में रश्मिका मंदाना बिल्कुल नए और पहले कभी नहीं देखे गए अंदाज में नजर आएंगी। यह भारत की पहली महिला-केंद्रित पैन-इंडिया फिल्मों में से एक है, जिसमें जबरदस्त एक्शन के साथ पिता और बेटी के रिश्ते की दिल छू लेने वाली कहानी भी देखने को मिलेगी। यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म के हाल ही में रिलीज़ हुए टीजर को देश भर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। दर्शकों से लेकर आलोचकों तक से फिल्म ने अपनी रॉ एनर्जी, ग्रैंड स्केल और इंटेंस एटमॉस्फियर के लिए खूब तारीफ अपने नाम की है। सबसे ज्यादा खास बात यह है कि इस चीज ने मैसा को एक अनोखे सिनेमैटिक कहानी में स्थापित कर दिया है। बहुत सी भारतीय फिल्म मास एक्शन ड्रामा की कहानी में मजबूत मां और बेटे के रिश्ते को दिखाती हैं, जैसे बाहुबली और चन्नस्र, लेकिन मैसा इससे अलग है क्योंकि इसमें मेकर्स नए और एक मजबूत भावनात्मक पक्ष को पेश करने वाले हैं।

दरअसल, फिल्म में आदिवासी भूमि की पृष्ठभूमि पर बाप और बेटी के बीच की मजबूत जोड़ी देखने मिलने वाली है। मैसा की रिलीज में अब सिर्फ 9 दिन बचे हैं, ऐसे में इसे देखने को लेकर हर तरफ उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच चुका है। उत्साह के सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए, मेकर्स ने एक नया पोस्टर रिलीज किया है जिसमें फिल्म की दुनिया की झलक देखी जा सकती है। फिल्म के गहरे इमोशंस को खुद में कैद करने वाले पोस्टर को शेयर करते हुए टीम ने लिखा है: बड़े पर्दे पर बाप और बेटी के खूबसूरत रिश्ते और उनके इमोशन्स को देखने के लिए अब सिर्फ 9 दिन बाकी हैं। मैसा 27 नवंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज।

नए पोस्टर ने फिल्म के लिए सही टोन सेट कर दिया है। जबसे, फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है, तब से देश भर में मौजूद दर्शक इसकी चर्चा करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। बहुत सी भारतीय फिल्म मास एक्शन ड्रामा की कहानी में मजबूत मां और बेटे के रिश्ते को दिखाती हैं, जैसे बाहुबली और चन्नस्र, लेकिन मैसा इससे अलग है क्योंकि इसमें मेकर्स नए और एक मजबूत भावनात्मक पक्ष को पेश करने वाले हैं। दरअसल, फिल्म में आदिवासी भूमि की पृष्ठभूमि पर बाप और बेटी के बीच की मजबूत जोड़ी देखने मिलने वाली है।

मनोज बाजपेयी स्टारर सुधीर मिश्रा और अनुभव सिन्हा की फिल्म की पूरी हुई शूटिंग

मुंबई अनुभव सिन्हा के प्रोडक्शन में बनारस मीडिया वर्क्स के बैनर तले बनी यह मच अवेटेड फिल्म भारतीय इतिहास के कम जानें जाने वाले 21 दिनों की कहानी दिखाएगी। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और इसके साथ ही फिल्म ने एक बड़ा पड़ाव भी पार कर लिया है। सुधीर मिश्रा द्वारा डायरेक्टेड और अनुभव सिन्हा द्वारा प्रोड्यूस फीचर फिल्म की जबसे घोषणा हुई है, तब से प्रोजेक्ट के इर्दगिर्द दर्शकों का उत्साह बढ़ता हुआ देखने मिल रहा है। यह कहानी भारत की आजादी के पहले की है, उन 21 दिनों की जिसके बारे में शायद ही कोई जानता है। फिल्म में महात्मा गांधी का किरदार नेशनल अवॉर्ड विनर मनोज बाजपेयी पहली बार निभाते नजर आने वाले हैं। अब जब फैंस बेसब्री से बापू के किरदार में एक्टर को देखने का इंतजार कर रहे हैं, ऐसे में उनकी एक तस्वीर ऑनलाइन लीक हुई है।



स्टार्टअप की दुनिया और फिल्म इंडस्ट्री में काफी समानता



अभिनेता अमित साध ने फिल्मों में काम करते हुए कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। कभी किसी फिल्म ने उन्हें नई पहचान दी, तो कभी किसी प्रोजेक्ट से उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं मिले। अब वह बिजनेस रियलिटी शो 'कल के करोड़पति - शुभ लाभ' से जुड़े हैं। उनका मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री और स्टार्टअप की दुनिया भले ही अलग-अलग हों, लेकिन दोनों में मेहनत, जोखिम और अनिश्चितता काफी हद तक एक जैसी है। यहां भी लोग सालों तक अपने सपने पर काम करते हैं और फिर एक ऐसे मौके का इंतजार करते हैं, जो उनकी जिंदगी बदल सकता है। अमित साध इस शो में होस्ट और मेंटर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। शो से जुड़ने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि यहां उन्हें स्टार्टअप फाउंडर्स, निवेशकों और उद्यमियों से सीधे मिलने और उनकी जिंदगी को करीब से समझने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि इन लोगों की कहानियां सुनकर उन्हें इंडस्ट्री में अपने सफर की याद आई।

अमित ने कहा, ''इस शो के लिए मुझसे प्रणव ने संपर्क किया था। वह चाहते थे कि मैं सिर्फ एक होस्ट बनकर शो का हिस्सा न बनूं, बल्कि अपने निजी सिद्धांतों और जीवन में अपनाए गए मूल्यों को भी इसमें लेकर आऊं। मुझे यह विचार पसंद आया और मैंने इस प्रोजेक्ट से जुड़ने का फैसला किया।'' शो के अनुभव को लेकर अमित ने कहा, ''मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा। स्टार्टअप फाउंडर्स, निवेशकों और उद्यमियों के साथ बातचीत के दौरान मुझे उनकी जिंदगी की कहानियों, संघर्ष और चुनौतियों को करीब से महसूस करने का मौका मिला। मैंने फिल्म इंडस्ट्री और स्टार्टअप की दुनिया, दोनों को एक ही नजर से देखा, क्योंकि दोनों जगह बहुत कुछ हिट और मिस पर निर्भर करता है। एक फिल्म आपको ऊपर उठा देती है, तो दूसरी आपको तोड़ भी सकती है।''

अभिनेता ने आगे कहा, ''स्टार्टअप फाउंडर्स को अपने आइडिया निवेशकों के सामने पेश करते देखकर मुझे उनके पीछे की मेहनत का अंदाजा हुआ। किसी बिजनेस आइडिया को एक प्रेजेंटेशन में समझाना आसान नहीं होता। उसके पीछे कई सालों की तैयारी, मेहनत और उम्मीदें जुड़ी होती हैं। जब मैंने इन लोगों को अपने काम के बारे में बताते देखा, तो मुझे लगा कि यह भी उनकी अपनी जिंदगी की कहानी है। जिस तरह एक अभिनेता किसी फिल्म के लिए लंबे समय तक मेहनत करता है, उसी तरह एक उद्यमी भी अपने आइडिया को हकीकत में बदलने के लिए लगातार कोशिश करता है।'' अमित ने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि 'कल के करोड़पति - शुभ लाभ' देशभर के दर्शकों से जुड़ पाएंगे। इस शो में सिर्फ बिजनेस और निवेश की बातें नहीं हैं, बल्कि इसमें लोगों के सपने, भावनाएं और सफलता पाने के लिए किए गए संघर्ष भी देखने को मिलेंगे।

कार्तिक पूर्णिमा पर पांचाल घाट पर उमड़ा आस्था का सैलाब

● 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई गंगा में डुबकी

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगलवार को पांचाल घाट पर श्रद्धा और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सुबह से ही गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह 10:30 बजे तक 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के लिए श्रद्धालुओं का पहुंचना सोमवार रात से ही शुरू हो गया था। मंगलवार तड़के चार बजे से गंगा स्नान का सिलसिला शुरू हुआ, जो लगातार जारी रहा।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद पूजा-अर्चना की और दान-पुण्य किया। घाट पर सत्यनारायण भगवान की कथा का आयोजन भी हुआ। कई परिवारों ने बच्चों का मुंडन संस्कार कराया। दिन निकलने के साथ ही घाट के दोनों ओर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती चली गई। पूरा घाट भक्तिमय माहौल में नजर आया।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए थे। गंगा में बैरिकेडिंग कराई गई, जिससे कोई भी श्रद्धालु गहरे पानी में न जा सके। घाट पर गोताखोरों के साथ पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। नावों के माध्यम से पुलिसकर्मी लगातार गंगा में गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए रहे।

पांचाल घाट पर सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए करीब 100 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। इनमें सिपाही से लेकर इंस्पेक्टर स्तर तक के अधिकारी शामिल रहे। पुलिसकर्मियों ने घाट के दोनों ओर निगरानी करते हुए श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित कराया।

वहीं, श्रद्धालुओं की अधिक संख्या के चलते पांचाल घाट पुल पर यातायात की रफ्तार धीमी रही। बाइक, कार और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से बड़ी संख्या में लोग स्नान के लिए पहुंचे। जाम की स्थिति से निपटने के लिए पांचाल घाट चौराहे से पहले बैरिकेडिंग की गई और ई-रिक्शा का आवागमन रोका गया।

पुल के दूसरी ओर उत्तरी बंधा के पास स्थित वन चेतना में वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था की गई थी। पुलिसकर्मियों ने श्रद्धालुओं के वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थल पर खड़ा कराया, ताकि घाट और पुल के आसपास यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

फर्रुखाबाद के लाल आईपीएस जितेंद्र सिंह गंगवार का बिहार में जलवा, बीपीएसएससी के चेयरमैन बने

● फर्रुखाबाद से निकलकर बिहार तक बनाई पहचान, 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी को मिला बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग के अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

प्रशांत कटियार



जनपद की माटी में जन्मे और अपनी प्रतिभा, मेहनत तथा प्रशासनिक अनुभव के दम पर देशभर में पहचान बनाने वाले वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी जितेंद्र सिंह गंगवार को बिहार में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। बिहार सरकार ने उन्हें बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्हें यह जिम्मेदारी अतिरिक्त प्रभार के रूप में दी गई है। उनके इस महत्वपूर्ण पद पर पहुंचने से गृह जनपद फर्रुखाबाद में भी गौरव और खुशी का माहौल है।

1993 बैच के आईपीएस अधिकारी जितेंद्र सिंह गंगवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जनपद के रहने वाले हैं। उन्होंने अपनी लंबी पुलिस सेवा के दौरान बिहार में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। अपनी कार्यशैली, प्रशासनिक दक्षता और पुलिसिंग के अनुभव के चलते उन्होंने बिहार पुलिस में एक अलग पहचान बनाई है। उनका सफर फर्रुखाबाद से शुरू होकर बिहार के शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस पदों तक पहुंचा है।

जितेंद्र सिंह गंगवार का नाम बिहार के वरिष्ठ और अनुभवी पुलिस अधिकारियों में शामिल है। उन्होंने अविभाजित बिहार के दौर में भी सेवाएं दी हैं। बिहार और झारखंड के विभिन्न जिलों में तैनाती के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। वर्ष 2005 में नीतीश कुमार की सरकार बनने के बाद उन्हें भागलपुर का एसपी बनाया गया था। उस दौरान भागलपुर दंगों से जुड़े मामलों की जांच और आरोपियों को सजा दिलाने की दिशा में उनकी भूमिका चर्चा में रही।

वर्तमान में गंगवार बिहार पुलिस में डीजी विजिलेंस की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इसके साथ ही अब उन्हें बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग के अध्यक्ष का अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा गया है। आयोग की जिम्मेदारी काफी महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि इसके माध्यम से बिहार पुलिस में दारोगा समेत विभिन्न पदों पर भर्ती और चयन प्रक्रिया संचालित होती है। ऐसे में उनके अनुभव का लाभ आयोग को मिलने की उम्मीद है।

पुलिस सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें कई सम्मान भी मिल चुके हैं। वर्ष 2010 में उन्हें सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक और वर्ष 2019 में विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया था। उनकी प्रशासनिक क्षमता और लंबे अनुभव को देखते हुए उन्हें बिहार में डीजीपी पद की दौड़ में शामिल अधिकारियों में भी गिना जाता रहा है।

702वें उर्स की तैयारियां शुरू, चिल्लागाह गांव में छप्पर छाने का काम शुरू

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

हजरत शेख मखदूम बुर्राक शाह लंगर जहां सोहरवर्दी रहमतुल्लाह अलैह के 702वें उर्स को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। भोजपुर क्षेत्र के चिल्लागाह गांव में सोमवार से उर्स की तैयारियों के तहत छप्पर छाने का काम शुरू कर दिया गया। उर्स को लेकर जायरीन और अकीदतमंदों में उत्साह का माहौल है। आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने की तैयारी की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, हजरत शेख मखदूम बुर्राक शाह लंगर जहां सोहरवर्दी रहमतुल्लाह अलैह के सालाना उर्स का आयोजन किया जा रहा है। इस बार 702वें उर्स को लेकर सोमवार को चिल्लागाह गांव में तैयारियां शुरू हुई। आयोजन स्थल पर छप्पर छाने का काम शुरू किया गया, ताकि उर्स में आने वाले लोगों के लिए उचित व्यवस्था की जा सके। उर्स के कार्यक्रम के तहत अजीजुल हक गालिब मियां के देर शाम घोड़े पर सवार होकर पहुंचने का कार्यक्रम है। उनके आगमन को लेकर भी तैयारियां की जा रही हैं।

मोबाइल और एटीएम लेकर खाते से 30 हजार रूपये निकाले, न्यायालय के आदेश पर केस

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



धोखाधड़ी कर मोबाइल और एटीएम कार्ड हासिल करने के बाद बैंक खाते से हजारों रुपये निकालने के मामले में न्यायालय के आदेश पर थाना मऊदरवाजा पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित की शिकायत के अनुसार, आरोपी ने अलग-अलग माध्यमों से उसके खाते से कुल 30 हजार रुपये निकालकर धोखाधड़ी की।

जानकारी के अनुसार, थाना मऊदरवाजा क्षेत्र के ग्राम जसपालपुर धारा नगरी निवासी क्रिस पुत्र राजू सिंह के साथ कथित रूप से धोखाधड़ी की गई। क्रिस ने कोतवाली फर्रुखाबाद के मोहल्ला मन्नीगंज निवासी अभय कश्यप के खिलाफ न्यायालय में शिकायत की थी। न्यायालय के आदेश पर पीड़ित ने थाना मऊदरवाजा में आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पीड़ित के मुताबिक, अभय कश्यप ने धोखे से उसका मोबाइल और एटीएम कार्ड ले लिया था। इसके बाद उसके बैंक खाते से 10 हजार रुपये अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए। इसके अलावा 2600 रुपये पेट्रोल पंप के खाते में भेजे गए। वहीं जनसेवा केंद्र के माध्यम से 17 हजार 400 रुपये निकाल लिए गए। इस तरह पीड़ित के खाते से कुल 30 हजार रुपये की रकम निकाल ली गई। खाते से रुपये निकलने की जानकारी होने पर पीड़ित ने मामले की शिकायत की और न्यायालय की शरण ली। अब न्यायालय के आदेश पर मऊदरवाजा पुलिस ने आरोपी अभय कश्यप के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भांजी की दवा को लेकर बहनोई ने साले को पीटा, बीच-बचाव करने आई बहन से भी मारपीट

फर्रुखाबाद। थाना क्षेत्र के गांव सलेमपुर त्यौरी में भांजी की दवा को लेकर हुए विवाद में बहनोई ने अपने साले के साथ मारपीट कर दी। बीच-बचाव करने पहुंची बहन के साथ भी मारपीट किए जाने का आरोप है। घटना में घायल युवक ने सोमवार को थाने पहुंचकर आरोपी बहनोई के खिलाफ तहरीर दी।

जानकारी के अनुसार, सलेमपुर त्यौरी निवासी धीरज पुत्र रंजीत सिंह का अपने बहनोई से भांजी की दवा को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर बहनोई ने धीरज के साथ मारपीट कर दी। इस दौरान बीच-बचाव करने आई उसकी बहन के साथ भी मारपीट की गई। घटना के बाद घायल धीरज सोमवार दोपहर करीब दो बजे नवाबगंज थाने पहुंचा और पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने घायल को मेडिकल परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवाबगंज भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार्तिक पूर्णिमा पर पांचाल घाट पहुंचे श्रद्धालु

● सुरक्षा के लिए जिला 4 जोन और 14 सेक्टर में विभाजित

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान के लिए पांचाल घाट सहित जिले के प्रमुख गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं का पहुंचना देर रात से ही शुरू हो गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु सोमवार रात से ही पांचाल घाट पहुंचने लगे। कई श्रद्धालुओं ने घाट पर ही रात बिताई और आधी रात के बाद गंगा स्नान की तैयारी की। पर्व को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए हैं।

पांचाल घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रकाश व्यवस्था और चेंजिंग रूम बनाए गए हैं। गंगा में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए बैरिकेडिंग कराई गई है। साथ ही जगह-जगह चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं। प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं से बैरिकेडिंग के अंदर रहकर ही स्नान करने की अपील की गई है।

सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जल पुलिस, नाविकों और स्थानीय गोताखोरों को तैनात किया गया है। घाटों पर पुलिसकर्मी लगातार निगरानी करेंगे और श्रद्धालुओं को गहरे पानी में जाने से रोकेंगे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल के साथ क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) भी लगाई गई है।

कार्तिक पूर्णिमा के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने पूरे जिले को चार जोन और 14 सेक्टर में विभाजित किया है। प्रत्येक जोन की जिम्मेदारी संबंधित क्षेत्राधिकारी को सौंपी गई है, जबकि सेक्टरों में कोतवाली प्रभारी और थानाध्यक्ष सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। यातायात पुलिस को भी विशेष जिम्मेदारी दी गई है, ताकि श्रद्धालुओं के आवागमन के दौरान जाम की स्थिति न बने और इटावा-बरेली हाईवे पर पांचाल घाट पुल से यातायात सुचारु रूप से चलता रहे।

जिले के पांचाल घाट, ढाई घाट, हटेना घाट और श्रृंगीरामपुर घाट पर लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई गई है। फर्रुखाबाद के अलावा एटा, इटावा, मैनपुरी, औरैया, कन्नौज, हरदोई, शाहजहांपुर, बरेली, पीलीभीत, बदायूं और सीतापुर से भी श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंच रहे हैं। मध्य प्रदेश के भिंड और ग्वालियर से भी श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए पुलिस अधीक्षक आरती सिंह देर रात पांचाल घाट पहुंचीं। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया और अधिकारियों से ड्यूटी पॉइंट सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। एसपी ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुचारु आवागमन को लेकर पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए।

लोहिया अस्पताल में दलित तीमारदारों को कमरे में बंदकर पीटा, जातिसूचक गालियां देने का आरोप

● सिक्योरिटी गार्ड इंचार्ज पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप, अधीक्षक ने थाने को जांच के लिए भेजा पत्र

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

राम मनोहर लोहिया अस्पताल में मरीजों की सुरक्षा और तीमारदारों के साथ व्यवहार को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। अस्पताल में बीमार महिला से मिलने और उसके लिए खाना लेकर पहुंचे तीन दलित तीमारदारों के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आधार कार्ड दिखाने को लेकर हुए विवाद के बाद सिक्योरिटी गार्ड के इंचार्ज ने अपने सहयोगी के साथ मिलकर तीनों लोगों के साथ मारपीट की। इतना ही नहीं, दो लोगों को अस्पताल के अंदर इमरजेंसी कक्ष के पास स्थित एक कमरे में बंद कर लात-घूंसों और डंडों से पीटा गया। पीड़ितों ने जातिसूचक गालियां देने और शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। हैरानी की बात यह है कि घटना के बाद शिकायत दिए जाने के बावजूद पीड़ितों को अब तक ठोस कार्रवाई का इंतजार है।

कोतवाली मोहम्मदाबाद क्षेत्र के ग्राम रैसेपुर निवासी अमन कुमार कठेरिया ने बताया कि वह 22 नवंबर को अपने चचेरे भाइयों शिवपाल और लोकपाल के साथ लोहिया अस्पताल में भर्ती एक बीमार महिला से मिलने और उसके लिए खाना लेकर गए थे। रात करीब 11:30 बजे जब तीनों अस्पताल के गेट के पास पहुंचे, तभी आधार कार्ड दिखाने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि वहां मौजूद लंबे कद के एक व्यक्ति, जो सिक्योरिटी गार्ड का इंचार्ज बताया जा रहा है, ने अपने सहयोगी की मदद से तीनों को वहां खड़े एक वाहन के अंदर ले जाकर मारपीट शुरू कर दी।

अमन कुमार का आरोप है कि जब उन्होंने ड्यूटी पर तैनात अन्य गार्ड से मदद मांगी तो उसने यह कहते हुए हाथ खड़े कर दिए कि मारपीट करने वाले व्यक्ति उनके साहब हैं और वह कुछ नहीं कर सकता। इसके बाद शिवपाल और लोकपाल को अस्पताल के अंदर इमरजेंसी कक्ष के निकट बने एक कमरे में बंद कर दिया गया, जहां उनके साथ लात-घूंसों और डंडों से मारपीट की गई। पीड़ितों का कहना है कि हमलावरों ने शिकायत करने पर जान से मार डालने की धमकी भी दी।

अमन कुमार ने बताया कि विवाद की शुरुआत आधार कार्ड दिखाने को लेकर हुई थी। उन्होंने अपने चचेरे भाई शिवपाल का आधार कार्ड दिखा दिया था, लेकिन इसी बात पर कथित सिक्योरिटी इंचार्ज ने उनके थप्पड़ मार दिए और गाली-गलौज शुरू कर दी।

स्कॉर्पियो की टक्कर से महिला की मौत, बेटे की तहरीर पर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

फर्रुखाबाद। थाना क्षेत्र के जैनापुर गांव में बरेली हाईवे के किनारे स्कॉर्पियो की टक्कर लगने से एक महिला की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतका के बेटे ने कार चालक के खिलाफ राजेपुर थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, जैनापुर गांव में बरेली हाईवे के किनारे स्कॉर्पियो की टक्कर लगने से शांति देवी गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। हादसे में उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मृतका के बेटे योगेंद्र सिंह ने स्कॉर्पियो चालक के खिलाफ राजेपुर थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

इटावा-बरेली हाईवे पर डंपर की टक्कर से पूर्व सैनिक की मौत, आधे घंटे तक लगा जाम

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

इटावा-बरेली हाईवे पर भाऊपुर के पास तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार पूर्व सैनिक राजकुमार राठौर (62) की दर्दनाक मौत हो गई। वह सातनपुर में बनवाए गए अपने नए मकान को देखने जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए अनियंत्रित डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक मौके से भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस ने उसे सेंट्रल जेल चौकी के पास पकड़ लिया।

जानकारी के अनुसार, मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के सूरजपुर गांव निवासी राजकुमार राठौर वर्ष 2015 में चंडीगढ़ से भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए थे। सोमवार दोपहर वह अपनी उसी बाइक से सातनपुर स्थित नवनिर्मित मकान देखने के लिए निकले थे, जिसे उन्होंने सेना में सेवा के दौरान खरीदा था। जैसे ही उनकी बाइक इटावा-बरेली हाईवे पर भाऊपुर के पास पहुंची, पीछे से तेज गति में आ रहे डंपर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर लगने के बाद भी चालक ने डंपर नहीं रोका और बाइक समेत राजकुमार काफी दूर तक वाहन में फंसे रहे। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और मृतक की जेब से मिले दस्तावेजों के आधार पर उनकी पहचान कर परिजनों को सूचना दी।

उधर, हादसे के बाद चालक ने मौके से निकलने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उसे सेंट्रल जेल चौकी के पास पकड़ लिया। दुर्घटना के कारण हाईवे पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और यातायात बाधित हो गया। करीब आधे घंटे तक सड़क पर जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस ने मौके पर व्यवस्था संभालते हुए यातायात सुचारु कराया।

पूर्व सैनिक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। जिस मकान को देखने के लिए राजकुमार घर से निकले थे, वहां पहुंचने से पहले ही उनकी जिंदगी का सफर समाप्त हो गया।

अधिवक्ता के घर में घुसकर चोरी कर रहा युवक पकड़ा

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



शहर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले में सोमवार रात करीब साढ़े दस बजे अधिवक्ता के घर में चोरी की कोशिश कर रहे एक युवक को मोहल्ले के लोगों ने पकड़ लिया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर कोतवाली ले गई।

अधिवक्ता राहुल सक्सेना के अनुसार, युवक उनके घर में घुस आया था और किचन से सामान निकालकर ले जा रहा था। सामान बेचने की कोशिश के दौरान मोहल्ले के लोगों को उस पर शक हुआ। लोगों ने उसे पकड़ लिया और भागने नहीं दिया। इसके बाद मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई।

पूछताछ के दौरान युवक ने अपना पता मैनपुरी जिले का बताया। पुलिस के मुताबिक, युवक नशे की हालत में प्रतीत हो रहा था और ठीक से जवाब नहीं दे पा रहा था।

कोतवाली प्रभारी धर्मेंद्र सिंह गहलोत ने बताया कि युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। फिलहाल पुलिस को अधिवक्ता की ओर से लिखित तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने के बाद मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

घटना के बाद मोहल्ले में चर्चा का माहौल रहा। स्थानीय लोगों की सतर्कता के चलते युवक मौके से भागने में सफल नहीं हो सका।

15 क्वार्टर देशी शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

यूथ इंडिया, शमशाबाद



अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शमशाबाद थाना पुलिस को सफलता मिली है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर एक व्यक्ति को कथित रूप से अवैध देशी शराब बेचते हुए गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 15 क्वार्टर देशी शराब बरामद की है। आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक फर्रुखाबाद के आदेश पर जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत शमशाबाद थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध रूप से देशी शराब की बिक्री कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी की और एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 15 क्वार्टर देशी शराब (मसाला शुद्धा) बरामद हुई।

बहन का दिया लगाने गंगा जा रहे भाइयों को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, लाइनमैन की मौत, भाई गंभीर

यूथ इंडिया, नवाबगंज



बहन का दिया लगाने के लिए गंगा घाट जा रहे बाइक सवार भाइयों को मंगलवार सुबह अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में नवाबगंज बिजली घर में लाइनमैन के पद पर तैनात प्रदीप कुमार सक्सेना की मौत हो गई, जबकि उनके भाई कुलदीप कुमार सक्सेना गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद लोहिया अस्पताल फर्रुखाबाद रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, नवाबगंज नगर के मोहल्ला बरतल निवासी प्रदीप कुमार सक्सेना उम्र करीब 42 अपने भाई कुलदीप कुमार सक्सेना (30) पुत्र रूपराम के साथ मंगलवार सुबह करीब पांच बजे बाइक से शमसाबाद स्थित ढाई घाट गंगा तट पर जा रहे थे। दोनों बहन का दिया लगाने के लिए घर से निकले थे। सुबह करीब 5:30 बजे नवाबगंज-मंझना मार्ग पर गांव सोना जानकीपुर के पास सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों भाई उछलकर सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद वहां से गुजर रहे राहगीरों ने परिजनों और एंबुलेंस को सूचना दी। दोनों घायलों को नवाबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। यहां चिकित्सकों ने प्रदीप कुमार सक्सेना को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल कुलदीप का फार्मासिस्ट आलोक कुमार ने प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए लोहिया अस्पताल फर्रुखाबाद रेफर कर दिया गया।

प्रदीप की मौत की खबर मिलते ही अस्पताल में परिजनों की चीख-पुकार मच गई। अस्पताल में लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार पुलिस बल के साथ सीएचसी पहुंचे। उन्होंने मृतक के पुत्र विनय से घटना की जानकारी ली। इसके बाद बबना चौकी प्रभारी अभिलाख सिंह ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रदीप कुमार सक्सेना नवाबगंज बिजली घर में लाइनमैन के पद पर तैनात थे। उनके दो पुत्र विनय और निशु तथा दो पुत्रियां वैष्णो और हिमांशी हैं। पत्नी सरोजनी देवी और मां ओमवती देवी का रो-रोकर बुरा हाल है।

थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बिजली की चिंगारी से भड़की आग, दो छप्पर और चारे की तीन बटिया जलकर राख, दो बकरियां झुलसीं

● एक लाख रुपये के नुकसान का अनुमान, ग्रामीणों और दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू

यूथ इंडिया, अमृतपुर

राजेपुर थाना क्षेत्र के जैनापुर गांव में सोमवार को बिजली के तारों से निकली चिंगारी ने गरीब परिवारों की गृहस्थी को भारी नुकसान पहुंचा दिया। स्कूल के पास बिजली के तारों से निकली चिंगारी से अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और दो छप्परों सहित पशुओं के चारे की तीन बटिया जलकर राख हो गईं। आग की चपेट में आने से दो बकरियां भी झुलस गईं। घटना में करीब एक लाख रुपये की क्षति होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, गांव में स्कूल के पास बिजली के तारों से निकली चिंगारी से राजपाल पुत्र जुगलू, वीरपाल, जगबीर, शिवशरण और दिनेश के छप्परों में आग लग गई। आग की लपटें उठती देख ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने एकजुट होकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और तत्काल पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही 112 पुलिस और चीता मोबाइल टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दमकल विभाग को सूचना दी। इसके बाद दमकल की दो गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं। ग्रामीणों और दमकल कर्मियों ने काफी देर तक कड़ी मशक्कत की, जिसके बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि, तब तक दो छप्पर और चारे की तीन बटिया पूरी तरह जल चुकी थीं तथा दो बकरियां झुलस गईं।

अचानक हुई इस घटना से पीड़ित परिवारों को आर्थिक नुकसान के साथ पशुओं के चारे की समस्या का भी सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मौके पर राजस्व टीम भेजकर नुकसान का आकलन कराने और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।